● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 36, अंक 230, पृष्ठ : 08, सीधी, बुधवार, 02 अक्टूबर 2024 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

हाईकोर्ट से निर्मला सीतारमण को बड़ी राहत 5

टीम इंडिया ने लगाया जीत का छक्का 6

अहिल्या माता ने सनातन संस्कृति की ध्वजा लहराई : डॉ. यादव

कल्याणकारी शासिका लोकमाता अहिल्या देवी ने किया सुशासन स्थापित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर ने सच्चे अर्थों में सनातन संस्कृति की ध्वजा को लहराने का कार्य किया। अठाहरवीं शताब्दी में लगभग 28 वर्ष के उनके शासन में प्रशासनिक कुशलता, जन-कल्याण, सुशासन के अनेक दृष्टांत प्रस्तुत किए। लोकमाता अहिल्या बाई की 300वीं जयंती पर मध्यप्रदेश में कई कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। आज गौरवशाली इतिहास वाले पुणे में रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनी संस्था के राष्ट्रीय चर्चा कार्यक्रम में आकर पुणे नगरी को प्रणाम करते हुए यहाँ शिवाजी महाराज, लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक की स्मृति को नमन है, जिनके कारण पुणे महानगर का स्पंदन पूरा राष्ट्र महसूस करता है। पुणे महानगर प्रकारांतर से इंदौर और उज्जैन की तरह प्रतीत होता

है। राष्ट्रीय चर्चा में राजस्थान के राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागड़े भी विशेष रूप से उपस्थित थे। मुख्य वक्ता पद्मश्री सुश्री निवेदता ताई भिड़े उपाध्यक्ष स्वामी विवेकानंद केन्द्र कन्याकुमारी के अलावा श्रीमती नाथीबाई दामोदर ठाकरसी, महिला विद्यापीठ मुंबई की कुलगुरू डॉ. उज्जवला चक्रदेव, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद और रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनी संस्थान के पदाधिकारी श्री विनय सहस्त्रबुद्धे ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को पुणे के जानकी देवी बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज ऑडिटोरियम में पुण्यश्लोक अहिल्या बाई होलकर और उनके जन कल्याणकारी सुशासन विषय पर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुणे में शिवाजी महाराज की सरिता की धारा के अलग-अलग तट के हिस्से दिखाई देते हैं। इसके साथ ही सिंधिया, होलकर वंश के शासकों सहित लोक माता के कार्यों का स्मरण सहज ही हो जाता है। पेशवा बाजीराव जी और सिंधिया जी का सहयोग वर्तमान के महाकाल मंदिर उज्जैन के कायम रहने का आधार बना। हमारे शासकों ने उस दौर में महाकाल मंदिर का निर्माण किया, जब बाहरी आक्रामक विभिन्न नगरों को ध्वस्त करने के लिए तैयार बैठे थे। छत्रपति शिवाजी महाराज के साहस और लोकमाता अहिल्या देवी के लोक कल्याणकारी कार्यों का स्मरण आज पूरा राष्ट्र कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी में भगवान विश्वनाथ जी के देवस्थान में जाने का अवसर मिलता है तो हम उनके दर्शन से अभिभूत होते हैं। यह सुअवसर भी लोकमाता अहिल्या बाई ने दिया, यह मंदिर उनकी ही देन है। लोकमाता अहिल्या बाई ने द्वारका, सोमनाथ और कई अन्य स्थानों पर ऐसे प्रकल्प संचालित किए। वे प्रशासनिक कुशलता, युक्ति एवं बुद्धिमत्ता से कार्य करती थीं। उनके साथ सहकर्मी सेनापतियों ने भी आर्थिक लाभ के लिए छल किए, लेकिन लोकमाता समाधान का मार्ग निकालने में पीछे नहीं रहीं। उन्होंने अनेक इलाकों में सकारात्मक परिवर्तन के लिए कुंओं के निर्माण, उद्यानों के निर्माण, प्याऊ प्रारंभ करने, सड़कों के निर्माण और सुधार कार्य, अन्न क्षेत्र प्रारंभ करने, मंदिरों में विद्वानों की नियुक्ति और खेती-बाड़ी के कार्यों से लोगों को जोड़कर सम्पूर्ण समाज को बदलने का कार्य किया।

राष्ट्रपति ने साइबर हमले को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बताया

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि साइबर हमले राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा बन गए हैं। उन्होंने कहा कि नागरिक सेवाओं और सशस्त्र बलों को मिलकर एक सुरक्षा प्रणाली बनाने की जरूरत है, ताकि इन हमलों को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा सिर्फ सीमाओं की रक्षा करने तक सीमित नहीं है। बल्कि अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, उर्जा और साइबर सुरक्षा जैसे अन्य महत्वपूर्ण मुद्दे भी इसमें शामिल हैं।

मुर्मू ने राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के संकाय और सदस्यों को राष्ट्रपति भवन में संबोधित किया। उन्होंने कहा, इन चिंताओं का समाधान करने के लिए गहन शोध की जरूरत है और इन मुद्दों से निपटने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण को अपनाना होगा। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि साइबर हमलों का

सामना करने के लिए उच्च तकनीकी हस्तक्षेप और मजबूत डिजिटल बुनियादी ढांचे की जरूरत है। साथ ही प्रशिक्षित और विशेषज्ञता रखने वाला मानव संसाधन जरूरी है।

उन्होंने आगे कहा, यह मुद्दा देश के शासन ढांचे को प्रभावित करता है। नागरिक सेवाओं और सशस्त्र बलों को मिलकर इस खतरे को रोकने के लिए एक मजबूत प्रणाली बनानी होगी। मुर्मू ने यह भी बताया कि शासन प्रणालियों में बड़े पैमाने पर डाटा और संवेदनशील जानकारी उपलब्ध है, जिसे असुरक्षित नहीं छोड़ा जा सकता। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे की गंभीरता को समझने और ठोस उपाय करने की जरूरत है। राष्ट्रपति ने आगे कहा कि सशस्त्र बलों की भूमिका पारंपरिक सैन्य मामलों से आगे बढ़ चुकी है और भविष्य के युद्धों के लिए एक बहु-राज्य और बहु-एजेंसी दृष्टिकोण की जरूरत होगी। उन्होंने यह भी कहा कि विभिन्न संगठन और विभाग अलग-अलग कार्य करते हैं, जिससे लक्ष्यों को हासिल करने में मुश्किलें होती हैं। उन्होंने कहा कि इस पाठ्यक्रम का मकसद अधिकारियों को सहयोग बढ़ाने और कार्यकुशलता के लिए तैयार करना है।

उन्होंने कहा कि तेजी से बदलते वैश्विक भू-राजनीतिक माहौल में कई चुनौतियां हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि अधिकारियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डेटा साइंस जैसी तकनीक के तेजी से विकास के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने की आवश्यकता है।

फिर जनता की अदालत में पेश होंगे पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल एक बार फिर जनता की अदालत में पेश होंगे। इस बार वे 6 अक्तूबर को छत्रसाल स्टेडियम में जनता की अदालत में पेश होंगे। इसमें बड़ी संख्या में दिल्ली के हर हिस्से से लोगों के पहुंचने की संभावना है। पांच अक्तूबर को हरियाणा में मतदान के बाद की यह तारीख चुनना बताता है कि हरियाणा से फ्री होते ही केजरीवाल दिल्ली के समर में कूदने वाले हैं। उनकी इस अदालत से ही दिल्ली की सियासत में राजनीतिक गर्मी बढ़ने की उम्मीद लगाई जा रही है। इसके पहले शराब घोटाले में 156 दिन जेल में

रहकर जमानत पर बाहर आने के बाद अरविंद केजरीवाल ने 22 सितंबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर जनता की अदालत लगाई थी। इसमें भी दिल्ली के लोगों ने बड़ी संख्या में भागीदारी की थी। इस अदालत के मंच से ही अरविंद केजरीवाल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से भाजपा से संबंधित पांच सवाल पूछकर दोनों संगठनों को असहज कर दिया था। केजरीवाल ने पूछा था कि क्या संघ भाजपा की इस तरह की कार्यप्रणाली से सहमत है?

अपनी राजनीति की यात्रा की शुरुआत से ही अरविंद केजरीवाल इस तरह के इनडोर कार्यक्रमों के जरिये जनता के बीच जाते रहे हैं। वे जनता से लगातार यही अपील करते हैं कि शराब घोटाले में उन्हें और उनके सरकार के मंत्रियों-नेताओं को जबरन फंसाया जा रहा है। वे कहते हैं कि यदि जनता उन्हें ईमानदार समझती है तो उन्हें समर्थन दे, यदि वह उन्हें गुनहगार समझती है तो वह उन्हें समर्थन न दे।

फैसला आने तक बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

नई दिल्ली। बुलडोजर एक्शन के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुनवाई के दौरान जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस विश्वनाथन की बेंच ने कहा कि फैसला आने तक देशभर में बुलडोजर एक्शन पर रोक जारी रहेगी। अभी सुप्रीम कोर्ट ने फैसले की तारीख तय नहीं की है। सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर स्पष्ट किया कि बुलडोजर एक्शन पर रोक में अवैध अतिक्रमण शामिल नहीं होगा।

चीन के साथ हालात स्थिर, सामान्य नहीं : आर्मी चीफ

हमें लड़ना भी है, साथ भी रहना है, सेना हर परिस्थिति के लिए तैयार

नई दिल्ली। आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को कहा कि चीन के साथ भारत के हालात स्थिर हैं, लेकिन ये सामान्य नहीं हैं, काफी संवेदनशील हैं। चीन के साथ हमें लड़ना भी है, सहयोग करना है, साथ रहना है, सामना करना है और चुनौती भी देनी है। चीन के साथ रिश्ते बहुत उलझे हुए हैं।

सेना प्रमुख ने कहा कि हम चाहते हैं चीन के साथ हालात अप्रैल 2020 के पहले जैसे हो जाएं। फिर चाहे वह जमीन के कब्जे की बात हो या बफर जोन बनाए जाने की बात हो। जब तक पहले जैसे स्थिति

बहाल नहीं होती, तब तक हालात संवेदनशील बने रहेंगे और हम किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। सबसे बड़ी क्षति हमारे विश्वास की हुई है। उन्होंने कहा कि भारत और चीन के बीच अप्रैल से अब तक कमांडर लेवल की 17 बैठकें हुई हैं। इन बैठकों में हमने कई मुद्दों पर चर्चा की है। अब जब दोनों तरफ मुश्किल हालात हैं, तो हमें ऐसा रास्ता ढूंढना होगा जिसमें दोनों को फायदा हो। विदेश मंत्रालय बोला-बैठकों की मदद से तनाव खत्म करने की कोशिशें जारी हैं इससे पहले सितंबर की शुरुआत में विदेश मंत्रालय ने भारत-चीन रिश्तों के मौजूदा हालात को लेकर अपडेट दिया था। उन्होंने कहा था कि बातचीत जारी रखने और वर्किंग मैकेनिज्म फॉर कंसल्टेशन एंड कोऑर्डिनेशन बैठकों के माध्यम से तनाव को सुलझाने की कोशिशें जारी हैं।

मध्य प्रदेश के 22 श्रद्धालु नेपाल की बाढ़ में फंसे

नई दिल्ली। पड़ोसी देश नेपाल में बीते कई दिनों से जारी भारी बारिश का असर भारत के बिहार में देखने को मिल रहा है। वहीं, पशुपतिनाथ के दर्शन के लिए नेपाल गए मध्य प्रदेश के 22 श्रद्धालु काठमांडू में फंस गए हैं। काठमांडू से लौटने के दौरान काबरे जिले में ब्रिज और सड़कें बाढ़ में बह गए। इसके कारण श्रद्धालु यहां फंसे हैं। उनका कहना है हम भूखे-प्यासे हैं और इंडियन एम्बेसी कोई मदद नहीं कर रही है। हमें सुरक्षित बाहर निकाला जाए। इधर, देश में मानसून सीजन अब खत्म होने की कगार पर है।

आजीवन शिक्षा पाने का महत्वपूर्ण साधन है दूरस्थ शिक्षा पद्धति : राज्यपाल

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा में दूरस्थ शिक्षा, जीविका उपार्जन के साथ आजीवन शिक्षा पाने का एक महत्वपूर्ण साधन है। समाज के अत्यंत पिछड़े, दूरस्थ क्षेत्रों, दिव्यांगजन, घरेलू, कामकाजी स्त्री-पुरुष और युवाओं तक शिक्षा पहुंचाने का यह सहज और सरल माध्यम है। राज्यपाल श्री पटेल मंगलवार को राजा भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के सातवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सभागार, भोपाल में हुये समारोह में उच्च शिक्षा, आयुष एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार भी मौजूद थे। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति में सराहनीय पहल की है। जरूरी है कि दूरस्थ शिक्षा से वंचित वर्गों के लिए सामाजिक सेवाएं और उनके अधिकारों की रक्षा के प्रयासों में और मजबूती आये। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि दीक्षित विद्यार्थी, अपने माता-पिता और गुरुजनों के योगदान को कभी नहीं भूले।

कांग्रेस खत्म करना चाहती है आरक्षण : पीएम

पलवल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को पलवल में रैली को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस से सबसे अधिक नाराजगी दलित, पिछड़े और वंचित समाज को है। वंचित समाज ने ठान लिया है कि बापू-बेटे की राजनीति को चमकाने का अब वो (वंचित वर्ग) मोहरा नहीं बनेंगे।

कांग्रेस देश की सबसे बड़ी दलित विरोधी पार्टी है। इस पार्टी ने दो-दो बार डॉ. आंबेडकर को चुनाव हरवाया। इन्होंने संसद के सेंट्रल हॉल में उनकी तस्वीर तक

नहीं लगने दी। दलित हिंसा की सबसे ज्यादा घटनाएं कांग्रेस राज में ही हुई हैं।

इनके एक नेता, जिन्होंने मिर्चपुर कांड के समय भी दलितों के साथ बदनीयती दिखाई थी। उनके ऑफिस में कांग्रेस कार्यकर्ता डंके की चोट पर कह रहे हैं कि एक दिन आरक्षण खत्म होगा। यानी कांग्रेस ने आरक्षण खत्म करने का प्लान बना लिया है और उनके लिए हरियाणा इसका टेस्ट स्टेट होने वाला है।

कभी जात-पात के नाम पर, कहीं एक समाज को दूसरे समाज से लड़ाकर, कांग्रेस इस देश से देशभक्ति को ही चूर-चूर करना चाहती है। कांग्रेस को लगता है, देश के लोगों में एकता की भावना जितनी प्रबल होगी, कांग्रेस का जीतना उतना ही असंभव होगा। इसलिए कांग्रेस, देशभक्तों की एकता को तोड़ने के लिए नए-नए प्रयोग कर रही है।

पीएम मोदी की हरियाणा विधानसभा चुनाव चौथी और आखिरी रैली है। इस रैली में पीएम गुरुग्राम, फरीदाबाद, पलवल, नूंह, रेवाड़ी और महेंद्रगढ़ के 23 विधानसभा क्षेत्रों के प्रत्याशियों के लिए समर्थन जुटाएंगे। 14 सितंबर को धर्मनगरी कुरुक्षेत्र, 25 सितंबर को सोनीपत के गोहाना और 28 सितंबर को हिसार में रैली कर चुके मोदी आज पलवल में जन आशीर्वाद मांग रहे हैं।

ईरान ने की इस्राइल पर मिसाइल हमले की तैयारी

अमेरिका ने दी गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी

वाशिंगटन। ईरान ने इस्राइल पर हमले की तैयारी शुरू कर दी है। अमेरिका के एक अधिकारी ने दावा किया है कि ईरान इस्राइल पर मिसाइल हमले कर सकता है। इसे लेकर अमेरिका ने ईरान को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। वहीं अमेरिका की ओर से इनपुट मिलने के बाद इस्राइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने कहा कि हम तैयार हैं। इस्राइल की ओर से हिजबुल्ला पर की गई कार्रवाई को लेकर ईरान बौखलाया हुआ है। क्योंकि हिजबुल्ला को खड़ा करने में ईरान की भूमिका रही है। हिजुबल्ला प्रमुख की मौत ईरान के लिए बड़ा झटका है। आईडीएफ प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने कहा कि अमेरिका से इनपुट मिला है कि ईरान इस्राइल पर मिसाइल दागने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमने पहले भी इस खतरे का डटकर सामना किया है और अब भी हम इसका सामना करेंगे। आईडीएफ रक्षात्मक और आक्रामक क्षमताओं के साथ तैयार है।

बंगाल गवर्नर की ममता बनर्जी को चिट्ठी

कोलकता। पश्चिम बंगाल के गवर्नर सीवी आनंद बोस ने मंगलवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को लेटर लिखकर केंद्र के पैसे का हिसाब मांगा है। बोस ने कहा कि वे बताएं कि केंद्र सरकार की ओर से वित्तीय वर्ष 2023-24 में मिले 1.17 लाख करोड़ रुपए कहां खर्च किए गए। कौन सी योजनाओं में इनका इस्तेमाल किया गया। एक रिपोर्ट बनाकर सारी जानकारी दें। बोस ने लेटर तब लिखा जब उन्हें पता चला कि राज्य सरकार ने सीएजी रिपोर्ट विधानसभा में पेश नहीं की। यह रिपोर्ट सरकार के लेन-देन और खर्च का हिसाब रखती है। दरअसल, पश्चिम बंगाल सरकार को वित्त वर्ष 2023-24 में केंद्र सरकार ने 1.17 लाख करोड़ रुपए का सेंट्रल फंड दिया था। राज्य सरकार पर अब उस फंड का दुरुपयोग करने का आरोप हैं।

थाइलैंड में स्कूल बस में आग, 25 स्टूडेंट्स की मौत

बैंकाग। थाइलैंड में एक स्कूल बस में आग लगने से 25 छात्रों की मौत हो गई है। न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक, बस में 44 लोग सवार थे, जिनमें से 16 को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल रेस्क्यू वर्कर्स बाकी बच्चों को निकालने की कोशिश कर रहे हैं। आग लगने की वजह अब तक सामने नहीं आई है।

हालांकि मौके पर मौजूद चश्मदीदों का कहना है कि बस का टायर फटने की वजह से आग लगी। रॉयटर्स के मुताबिक हादसा बैंकॉक के खू खोट इलाके में मंगलवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे हुआ। बस एक स्कूल ट्रिप से लौट रही थी।

बस में 3 से लेकर 15 साल की उम्र तक के बच्चे मौजूद थे। इसके अलावा इनके साथ 5 टीचर भी सवार थे। बीबीसी के मुताबिक, बस का ड्राइवर फरार है और उसे ढूंढने की कोशिश की जा रही है। ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर बोले-सीएनजी से चल रही थी बस थाइलैंड की प्रधानमंत्री पाइतोंग्तार्न शिनावात्रा ने हादसे में जाने गंवाने वाले बच्चों के परिजनों के प्रति शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर को घटनास्थल पर जाकर हालात का जायजा लेने का आदेश दिया है।

वहीं देश के गृह मंत्री अनुतिन चर्नविराकुल ने कहा कि बचावकर्मियों के पहुंचने के बाद भी बस इतनी ज्यादा गर्म थी कि उसके अंदर जाना बेहद मुश्किल था। इस वजह से हादसे के काफी देर बाद तक शव बस में ही थे। मरने वालों की अब तक पहचान नहीं हो पाई है।

कांग्रेस उडी पार्टी, चला रहे दलाल, डीलर और दामाद : शिवराज

चीका (हरियाणा)। हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए केंद्रीय कृषि व किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को हरियाणा चीका में चुनावी रैली की। शिवराज सिंह चौहान ने भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में चीका शहर में रोड शो निकाला। रोड शो के दौरान उनके साथ सांसद नवीन जिंदल भी मौजूद रहे।

रोड शो से पहले भाजपा कार्यालय पर केंद्रीय मंत्री ने लोगों को संबोधित करते हुए कांग्रेस व आम आदमी पार्टी (आप) पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और आप दिल्ली में तो गठबंधन करती है और हरियाणा में आपस में कुश्ती कर रही है। इसे गठबंधन नहीं ठग बंधन कहा जाएगा। कांग्रेस घोटालों की पार्टी रही है। कांग्रेस के पास देश व

प्रदेश के विकास के लिए कोई विजन नहीं है। उन्होंने कांग्रेस को थ्री डी पार्टी बताते हुए कहा कि इसे दलाल, डीलर व दामाद चला रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस को आरक्षण, दलित व महिला विरोधी बताते हुए कहा कि कांग्रेस नेता एक दलित महिला नेत्री को सहन नहीं कर पा रहे हैं। हरियाणा पंजाब में सबसे अधिक धान उगाया जाता है। मोदी सरकार धान प्रोसेसिंग के लिए तेजी से काम कर रही ताकि राइस मिलर और किसान दोनों को लाभ मिल सके। केंद्र सरकार ने चावल का न्यूनतम एक्सपोर्ट प्राइस खत्म कर दिया है, जिससे अब भारत का चावल अमेरिका, कनाडा व दूसरे देशों में एक्सपोर्ट होगा। खेती भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा है। किसान हमारे लिए भगवान हैं और किसान की सेवा भगवान की पूजा के समान है। हरियाणा देश का पहला राज्य है जहां चौबीस फसलें एमएसपी पर खरीद जा रही हैं।

शिवराज चौहान ने नायब सैनी की तारीफ करते हुए कहा कि हरियाणा की तरक्की के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री बधाई के पात्र हैं। प्रदेश में सरकार बनते ही लक्ष्मी लाडो योजना के तहत 2100 रुपये प्रति माह व 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिया जाएगा। बेटियों को स्कूल-कॉलेज पैदल न जाना पड़े इसके लिए उन्हें स्कूटी दी जाएगी। भाजपा अपने घोषणा पत्र में किए गए एक एक वचन को पूरा करेगी। वहीं, सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि भाजपा प्रत्याशी को जिताकर विधानसभा भेजे दो, गुहला में विकास की कमी नहीं रहने दी जाएगी। इसके बाद रोड शो शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए गुजरा जहां पर लोगों ने फूलों भाजपा नेताओं का स्वागत किया। रोड शो के दौरान सड़कों पर भारी भीड़ जमा रही।

चीका में आपने संबोधन के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस को परिवार की पार्टी बताया। कहा कि केंद्र में कांग्रेस पर जहां मां-बेटे का कब्जा है। वहीं, हरियाणा में बाप-बेटे ने कांग्रेस को अपने कब्जे में ले रखा है। बाप-बेटा दोनों ही मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि एक तरफ अभी भी बाप खुद को जवान बता रहे हैं तो दूसरी तरफ बेटा कहते हैं कि बापू तू तो सेहत के लिए हानिकारक है।

ओबी कंपनी नीलकंठ में वर्करो के साथ मनमानी

सुरक्षा के नहीं है उपकरण, नॉन टेक्निकल वर्करो से कराया जा रहा कार्य

सिंगरौली। ब्लॉक बी गोरबी मैं कार्यरत ओबी कंपनी नीलकंठ माईनिंग में जमकर अनियमितता के साथ मनमानी की जा रही है। जहां नॉन टेक्निकल वर्करो से कार्य कराया जाता है। वही सुरक्षा उपकरण भी उपलब्ध नहीं कराया जाता। जिससे वर्कर काफी परेशान और डरे सहमे कार्य कर रहे हैं।

नीलकंठ ओबी कंपनी मैं कार्यरत वर्करो ने जानकारी देते हुए बताया कि ओबी कंपनी नीलकंठ में मनमानी और नियम विरुद्ध कार्य किया जा रहा है। ओबी डंप और कटिंग होता है वहां सुपरवाइजर नॉन टेक्निकल है यहां तक की साइड इंचार्ज भी नॉन टेक्निकल है इसके अलावा बिल्डिंग का कार्य जनरल मजदूर से करवाते हैं रांग डेजिग्नेशन के व्यक्ति कार्य कर रहे हैं जो कि नियम विरुद्ध है। यहां पर कार्यरत वर्करो का संडे ड्यूटी का पैसा डबल ना देकर उसी पैसे से स्थानीय नेताओं तथा प्रशासन को मैनेज किया जा रहा है। यहां कार्य कर रहे लोगों द्वारा अपने हक की बात करते हैं तो धन और बल के द्वारा दबा दिया जाता है। कंपनी द्वारा कई लोगों को केवल इन और आउट करवाया जाता है बाकी ड्यूटी समय में बाहर घूमते हैं। अगर ड्यूटी टाइमिंग में किसी भी प्रकार का कोई घटना होती है तो इसका जिम्मेदार कौन होगा। इसके बावजूद कंपनी के द्वारा मनमानी की जा रही है अगर वर्कर विरोध करते हैं तो उसकी खामियाजा वर्करो को भुगतना पड़ता है। आगे बताया गया कि इतनी बड़ी कंपनी होने के बाद भी इनके पास ना तो एंबुलेंस है ना तो फायर ब्रिगेड है ना ही क्रेन है। जिससे कोई भी घटना घटने पर वहां पर फंसे लोगों को आसानी से बचाया जा सके। इन्ही असुविधाओं के कारण हाल ही में शिव शंकर साकेत नामक व्यक्ति की जान चली गई थी। यह टीपर ड्राइवर टिपर में घंटे तक फंसा रहा। घंटो बाद पीसी मशीन आई तब तक उसका निधन हो चुका था। कंपनी के कर्मचारियों ने बताया कि नीलकंठ कंपनी में वर्करो का जमकर शोषण किया जा रहा है। कई बार शिकायत की गई लेकिन कोई जिम्मेदार अधिकारी सुनने को तैयार नहीं है। इस पूरे मामले में एनसीएल प्रबंधन भी मौन दिखाई दे रहा है। जिसके चलते नीलकंठ कंपनी के जिम्मेदार अधिकारियों के हौसले बुलंद बने हुए हैं।

दूसरे स्टेट से लाया जा रहा डीजल

नीलकंठ इंफ्रा माइनिंग लिमिटेड कंपनी द्वारा जो डीजल का खपत किया जा रहा है। वह निर्धारित डिपो जयंत से नहीं आ रहा है दो नंबर का तेल दूसरे स्टेट से लाकर खपाया जा रहा है जो कि नियम विरुद्ध है। एनसीएल ब्लॉक बी से नीलकंठ कंपनी को 2021 से संडे डबल का पैसा वर्करो को पेमेंट करने के लिए निर्देशित किया गया था। तत्पश्चात कंपनी के द्वारा कुछ महीनो का भुगतान भी किया गया। वर्कों द्वारा पूछने पर की कि फंड का पैसा पेमेंट किया जा रहा है इसका नीलकंठ कंपनी द्वारा कोई उत्तर नहीं दिया गया। वर्करो ने कहा कि अगर नीलकंठ कंपनी समय पर भुगतान नहीं करती तो इसका खामियां जा कंपनी प्रबंधन को भुगतना पड़ेगा।

कलेक्टर ने की 171 आवेदन पत्रो पर जनसुनवाई

सिंगरौली। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जन सुनवाई में जिले के विभिन्न अंचलो से आएं हुये 171 व्यक्तियों के द्वारा अपनी समस्याओं से कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला को अवगत कराते हुये अपना आवेदन पत्र दिया गया। जन सुनवाई कर रहे कलेक्टर श्री शुक्ला के द्वारा सभी आवेदन पत्रो पर गंभीरता पूर्वक विचार करते हुये कई आवेदनो का निराकरण जन सुनवाई में उपस्थित अधिकारियो से कराया गया। साथ ही ऐसे आवेदन पत्र जिनका निराकरण जन सुनवाई के दौरान नही कराया जा सका संबंधित विभागीय अधिकारियो की ओर भेजते हुये निर्देश दिया गया कि समय सीमा में आवेदन पत्रो का निराकरण सुनिश्चित किया जाये।कलेक्टर ने निर्देश देते हुये कहा कि विभागीय अधिकारी जन सुनवाई मे प्राप्त आवेदन पत्रो का तत्परता से निराकरण कराया जाना सुनिश्चित करे ताकि संबंधित आवेदनकर्ता के समस्याओं का त्वरित निदान सुनिश्चित हो सके। जन सुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर अरविंद झा, संयुक्त कलेक्टर संजीव पाण्डेय, , डिप्टी कलेक्टर माइकेल तिर्की सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जियावन पुलिस हत्या को बना रही आत्महत्या

परिजनों ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देते हुए जांच की उठाई मांग

सिंगरौली। जिले के जियावन थाना क्षेत्र अंतर्गत गोड़गवां में बीते 20 जुलाई को एक युवक अपने ही घर में संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे से झूलता मिला। युवक ने जहां फांसी लगाई थी वहां घर की ऊंचाई बहुत कम थी वहीं युवक जब फांसी के फंदे से झूल रहा था तो उसके दोनों घुटने जमीन पर रखे थे। बॉडी को फांसी के फंदे से झूलता देख वहां मौजूद हर एक व्यक्ति यही कह रहा था कि यह आत्महत्या नहीं हत्या। वहीं पुलिस भी पहले हत्या मान रही थी लेकिन दूसरे ही दिन से पुलिस को भी अब यह घटना आत्महत्या लगने लगी। अब मृतक के पिता ने अपने बेटे की हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है।

दरअसल बीते दिनों अजय कुशवाहा निवासी गोड़गवां थाना जियावन की घर में संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे से शव मिला था। इसके बाद से परिजन एसडीओपी सहित थाना प्रभारी से कई बार बेटे की हत्यारों को पकड़ने और सजा दिलाने की मिन्नतें की लेकिन पुलिस अधिकारियों ने इसे आत्महत्या मानते रहे। अब शिकायतकर्ता ने बेटे की हत्या की निष्पक्ष जांच करने के लिए पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाईं हैं। शिकायतकर्ता ने जियावन पुलिस पर सवाल खड़े किए हैं। साथ ही कहा कि पुलिस ने हत्या की आशंका से इनकार किया है और इस मामले को आत्महत्या से जोड़कर देख रही है। पुलिस का तर्क है कि मेडिकल रिपोर्ट में भी आत्महत्या करना बताया जा रहा है। जबकि जिस वक्त बेटे का अंतिम संस्कार करने की तैयारी हो रही थी उस दौरान बेटे के जांघ पर खून जमा था पैर में घुटने से नीचे सुई, बिरंची जैसी नुकीले चीजों चुभोने जैसा दिखाई दे रहा था। साथ ही गुप्तांगों से खून निकल रहा था। वही घर के दीवार में तीन चार जगह खून गिरा हुआ था वहीं पूर्व दिशा पर खून और दीवाल पर पैर के भी निशान मिले थे ऐसे में यकीन हो गया कि बेटे को दूसरी जगह मारा गया फिर उसे घर में फांसी के फंदे से लटका दिया गया। फासी से लटकता शव भी घुटने से टिका था। पीड़ित ने पीड़ित परिजन ने आरोप लगाया है कि जब विवेचना के लिए सुबह पुलिस आई वहां एक मोबाइल भी मिला। लेकिन किसी ने बदहवास पिता के जरिए मोबाइल को उठा लिया और राम सजीवन कुशवाहा को दे दिया। जहां राम सजीवन कुशवाहा ने मोबाइल का पैटर्न खुलवाकर आधे घंटे के लिए गायब हो गया। जब परिजनों न्यू मोबाइल देखा तो सारे नंबर डिलीट हो चुके थे। परिजनों ने बताया कि मृतक बेटा मोबाइल में सारी रिकॉर्डिंग करता था लेकिन जब मोबाइल मिला तो सारी रिकॉर्डिंग भी डिलीट हो चुकी थी। पीड़ित ने बताया कि रमेश कुमार कुशवाहा पप्पू कुशवाहा से मृतक की मौत से करीब 10 दिन पहले जमीनी विवाद हुआ था। जहां सभी ने अजय कुशवाहा को धमकी दी थी की 10 दिन के अंदर तुम्हें मार देंगे। पीड़ित परिजनों ने बताया कि इस हत्याकांड में कोई पढ़ा लिखा व्यक्ति शामिल है जो इस हत्याकांड को आत्महत्या की शक्ल देने में लगा है। पीड़ित ने अपने बेटे की हत्या की जांच कराने की मांग की है।

स्वच्छता का संदेश घर घर पहुंचाएं : विश्वामित्र

सिंगरौली

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के तारतम्य में शा.उत्कृष्ट उ.मा.वि. देवसर एवं कन्या उ.मा.वि. देवसर के छात्र छात्राओं द्वारा स्वच्छता का संदेश देने के लिए निकली गई रैली को विधानसभा सिहावल के विधायक विश्वामित्र पाठक द्वारा हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया, साथ ही स्वच्छता के संकल्प का पोस्टर भी दुकानों में लगाया गया तथा दुकानों में डस्टबिन रखने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को क्षेत्रीय विधायक द्वारा स्वच्छता का संकल्प दिलाते हुए स्वच्छता का संदेश हर घर तक पहुंचाने की अपील की गई, छात्र छात्राओं द्वारा लोगों में स्वच्छता से संबंधित जागरूकता के लिए जोर शोर से स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता एवं स्वच्छ मकान स्वच्छ दुकान के नारे लगाए गए।इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष प्रणव पाठक, सीईओ संजीव तिवारी जनप्रतिनिधि गण, विद्यालयों के शिक्षक एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

पुलिस लाईन पचौर में हुआ बलवा ड्रिल परेड का रिहर्सल

सभी प्रकार की चुनौतियों से निपटने के लिए कराया गया अभ्यास

सिंगरौली। पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता गुप्ता द्वारा आगामी त्यौहारों के मद्देनजर सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को दृष्टिगत् रखते हुए जिलें के पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को डयूटी पर मुस्तैद रहने एवं किसी भी कानून व्यवस्था की स्थिति से निपटने के लिए बलवा ड्रील का अभ्यास का आयोजन किये जाने हेतु दिये गये निर्देश के पालन में 1अक्टूबर को पुलिस लाइन पचौर में बलवा ड्रिल परेड का आयोजन किया गया। बलवा परेड में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक विंध्यनगर पीएस परस्ते, एसडीओपी चितरंगी आशिष जैन व समस्त थाना व चौकी प्रभारी थाना स्टाफ के साथ, पुलिस लाइन व कार्यालयीन स्टाफ सहित कुल 200 पुलिस अधिकारी-कर्मचारी सम्मिलित हुए।बलवा ड्रील अभ्यास के दौरान पुलिस टीम मे से कुछ के द्वारा बलवाईयों का रोल अदा किया गया जिन्हे रोकने हेतु पुलिस द्वारा अभ्यास के दौरान आवश्यक बल प्रयोग करते हुये लाठीचार्ज, टीयर गैस का प्रयोग एवं अंत में मॉक ड्रिल में गोलियों का भी उपयोग किया गया। इस दौरान सभी को टीयर गैस के उपयोग को बारीकी से समझाया गया साथ ही बरती जाने बाली सावधानियों के बारे में भी बतलाया गया । पुलिस की बलवा ड्रील के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा बलवाईयों पर नियंत्रण करने हेतु लाठीचार्ज, टीयर गैस का नियमत उपयोग करने का अभ्यास किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुये कहा कि जिले में शांति व्यवस्था को बनाये रखने तथा उपद्रवी तत्वों को काबू में कर लोगो को सुरक्षा देने संबंधी आवश्यक जानकारी देने के उद्देस्य से यह मॉक ड्रिल कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इसके माध्यम से जिले में शांति व्यवस्था कायम रख विकास कार्य निर्विधन रूप से जारी रखा जा सकता है। वही उन्होने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों से मॉक ड्रिल के संबंध में नियमित रूप से अभ्यास रखने हमेसा चौकन्ना रहने तथा भीड को काबू करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये गये।

एनटीपीसी विंध्याचल को सुरक्षा मे उत्कृष्टता के लिए विश्व सुरक्षा संगठन द्वारा स्वर्ण पदक से किया गया सम्मानित

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल को सुरक्षा मे उत्कृष्टता के लिए विश्व सुरक्षा संगठन द्वारा स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार दिनांक 27 सितंबर 2024 को चेन्नई में आयोजित विश्व सुरक्षा संगठन भारत राज्य स्तरीय ओएचएसई पुरस्कारों के तीसरे संस्करण में स्वर्ण पुरस्कार हासिल किया है। यह पुरस्कार 5वें डब्ल्यूएसओ भारत व्यावसायिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण (ओएचएस एंड ई) व्यावसायिक विकास संगोष्ठी के दौरान प्रस्तुत किया गया, जो कार्यस्थल सुरक्षा और पर्यावरणीय उत्कृष्टता के प्रति एनटीपीसी विंध्याचल की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है।इसके लिए कुल 346 कंपनियों ने भागीदारी की, जिनमें से केवल 186 कंपनियों को सम्मानित किया गया, एनटीपीसी विंध्याचल अपनी अनुकरणीय सुरक्षा प्रथाओं, कुशल जोखिम प्रबंधन और पर्यावरण नियमों के अनुपालन के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। इस कार्यक्रम में प्रमुख सुरक्षा विशेषज्ञों के संबोधन शामिल थे, जिनमें डब्ल्यूएसओ के अध्यक्ष अल्फ्रेडो ए. डी ला रोजा जूनियर और संयुक्त राष्ट्र में डब्ल्यूएसओ के राजदूत डॉ. जेरी कैमराटा शामिल थे।कार्यकारी (सुरक्षा) सेलवन जे ने एनटीपीसी विंध्याचल की ओर से पुरस्कार प्राप्त किया, जिसने इस उपलब्धि को कंपनी की प्रशंसाओं की बढ़ती सूची में शामिल कर दिया, जिससे सुरक्षित और टिकाऊ कार्य वातावरण को बढ़ावा देने में इसके नेतृत्व को और मजबूत किया।

एलईडी बल्ब एवं समर्सिवल मोटर पंप खरीदी में भी जमकर फर्जीवाड़ा

सिंगरौली। हैंडपंप में लगने वाली जीआई पाइप में करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार का मामला शांत भी नहीं हुआ था कि अब एलईडी बल्ब एवं समर्सिवल मोटर पंप खरीदी में बड़ा घोटाला सामने आ रहा है। नगर निगम अधिकारियों ने वर्ष 2023-24 में सामग्रियों के क्रय के आड़ में जमकर घोटाला किया है। रातों-रात जहां सामग्रियों के कीमत में चार गुना वृद्धि हो गई। वही इलेक्ट्रानिक सामग्रियों के क्रय में भी जमकर राशि की बंदरबाट स्टोर शाखा एवं पूर्व निगमायुक्त के द्वारा किया गया है।

2 से 8 अक्टूबर तक जिले में मनाया जाएगा मद्य निषेध सप्ताह

सिंगरौली

मध्य प्रदेश शासन मंशानुसार एवं कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला के निर्देशन में तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेंद्र सिंह नागेश के मार्गदर्शन में सिंगरौली जिले में 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर 2024 तक मद्य निषेध सप्ताह के अवसर पर समाज में बढ़ती हुई मद्यपान तथा नशीली दवा मादक पदार्थों के दुष्परिणामों से युवाओं विद्यार्थियों एवं समाज को अवगत कराया जाकर नशा सेवन प्रवृत्ति की रोकथाम हेतु जन जागृति एवं चेतना निर्माण किया जाकर मध्य प्रदेश के साथ साथ जिले को नशा मुक्त बनाया जाएगा। इस अवसर विभिन्न कार्यक्रमों गतिविधियों के संपादन के लिए कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला ने नशा मुक्ति समिति के नोडल अधिकारी सहित सभी समिति के सदस्यों को कार्य योजना के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाने के निर्देश दिए है। जिसके तहत नशे के विरुद्ध समाज में जन जागृति जागरूकता का निर्माण किया जाना है। जिसमें जिला स्तर पर सामूहिक शपथ ग्रहण कार्यक्रम, वाहन रैली का आयोजन किया जाए। प्रत्येक ग्राम पंचायत में ग्राम सभाओं में मुख्यमंत्री विभागीय मंत्रियों का संदेश वचन एवं सामूहिक नशा मुक्ति शपथ , प्रत्येक नगरी निकाय के वार्डों में भी पार्षद , जनप्रतिनिधि की उपस्थित में नशा मुक्ति की शपथ सहित जिले के समस्त हायर सेकेंडरी स्कूल महा विद्यालयों में निबंध लेखन एवं वाद विवाद प्रतियोगिता , नशा मुक्ति पर आधारित चित्र कला , रंगोली आदि कार्यक्रमों के आयोजन के साथ साथ शहर एवं ग्रामों के प्रमुख चौराहों पर नशे के विरुद्ध नुकड़ नाटक सहित नशे की आदत के छुटकारे हेतु विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाने के निर्देश दिए हैं।

जयंत पुलिस ने 6 माह से फरार अनैतिक कार्य के आरोपी को बैंगलौर से किया गया गिरफ्तार

सिंगरौली। पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता गुप्ता के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक पीएस परस्ते के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी विन्ध्यनगर श्रीमती अर्चना द्विवेदी के सतत् निगरानी में चौकी प्रभारी जयंत अभिषेक पाण्डेय एवं उनकी टीम द्वारा बैंगलौर से अनैतिक कार्य करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर चौकी जयंत लाया गया। जानकारी मे बताया गया की 9 अप्रेल को फरियादी उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि 7 अप्रेल को मेरी लड़की को आरोपी शिवा स्पीपर निवासी नेहरू बस्ती दुद्धीचुआ थाना विन्ध्यनगर बहला फुसलाकर भगा ले गया है, रिपोर्ट पर अप.क्र. -285/24 धारा 363 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

ऊर्जा व राजस्व बढ़ोतरी के साथ स्थानीय विकास को सुनिश्चित करेगा सिंगरौली की नई कोयला खदानें

सिंगरौली। देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मध्य प्रदेश का सिंगरौली जिला लगातार अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कोयला और बिजली उत्पादन में अव्वल रहने वाली इस ऊर्जाधानी का योगदान अब कुछ नए कोयला खदानों के प्रतिस्पर्धी निविदा के द्वारा आवंटन से और अधिक बढ़ने की उम्मीद है। जिले में नौ अन्य कोयला खदानें जो पहले ही आवंटित हो चुकी है, उसके जल्द चालू होने की संभावना जताई जा रही है। जिनमें महान, गोंडबहेरा उझेनी, बंधा नार्थ, डोंगरी ताल , मर्की बरका, गोंडबहेरा उझेनी ईस्ट, बंधा और धिरौली खदानों

के संचालन शुरू होने से न केवल कोयला उत्पादन में वृद्धि होगी बल्कि रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी के साथ खननकर्ता कंपनियों के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत स्थानीय विकास को बढ़ावा मिलेगा। उल्लेखनीय है कि इन खदानों के शुरू होने से सिंगरौली से होनेवाले कोयले के उत्पादन में सालाना करीब 30 मिलियन टन की बढ़ोतरी होगी। वहीं भारत सरकार द्वारा वाणिज्यिक खनन के लिए कुछ अन्य ब्लॉक जैसे सरई ईस्ट (नार्थ) एवं सरई ईस्ट (साउथ) के लिए नीलामी की प्रक्रिया चल रही है। मुख्य रूप से जिले की पहली प्रस्तावित भूमिगत खदान, गोंडबहेरा उझेनी में पर्यावरण के अनुकूल तरीकों से खनन प्रक्रिया लागू की जाएगी, जो पर्यावरण और स्थानीय निवासियों को प्रभावित किए बिना कोयले उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ स्थानीय विकास और प्रदेश व देश के राजस्व में बढ़ोतरी का कारण बनेगा। कोयला मंत्रालय ने गोंडबहेरा उझेनी ब्लॉक जैसी खदानों के कई मायनों में लाभदायक सिद्ध होने की उम्मीद जताई है। भूमिगत खनन के दौरान वन क्षेत्र को हटाने या लोगों को विस्थापित करने की आवश्यकता नहीं होती, जिससे प्राकृतिक संसाधनों और वन्य जीवन का संरक्षण होता ही है, साथ ही पुनर्वास और पुनर्स्थापना की भी कोई आवश्यकता नहीं पड़ती। आनेवाले दिनों में कुछ अन्य कोयला खदानों की नीलामी भी सिंगरौली जिले के विकास के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। इससे सरकार के राजस्व में वृद्धि होगी, जिसका उपयोग जिले के विकास कार्यों में किया जाना संभव होगा।

इन नीलामियों से प्राप्त होने वाले राजस्व से सिंगरौली में सड़कों, अस्पतालों, और शिक्षा संस्थानों जैसे बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी की उम्मीद की जा सकती है, जिससे स्थानीय निवासियों को बेहतर सुविधाएं तो मिलेंगी ही साथ ही उनकी जीवनशैली में भी सकारात्मक बदलाव लाये जा सकेंगे।

कार्यालय नगर पालिक निगम सिंगरौली जिला सिंगरौली (म.प्र.)

क्रमांक/ /राजस्व/2024 सिंगरौली दिनांक

सार्वजनिक इश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम सिंगरौली के नवजीवन बिहार जोन अंतर्गत बार्ड क्रमांक 32 तहसील व जिला सिंगरौली (म.प्र.) में स्थित एल.आई.जी. भवन क्रमांक 57 साईज 530 वर्गफिट श्री हीरालाल कनौजिया तनय स्व. श्री मोतीलाल कनौजिया निवासी नवजीवन बिहार पो. विन्ध्यनगर जिला सिंगरौली (म.प्र.) के नाम से आवंटित है। लीजग्रहिता/पट्टेदार द्वारा उक्त ए.आई.जी. भवन क्रमांक 57 का नामान्तरण दीपक कुमार गुप्ता तनय श्री लक्ष्मण प्रसाद गुप्ता निवासी नवजीवन बिहार पो. विन्ध्य नगर जिला सिंगरौली (म.प्र.) के नाम से कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जो इस कार्यालय में विचाराधीन है।

अत: उक्त एल.आई.जी. भवन क्रमांक 57 साईज 530 वर्गफिट का नामान्तरण दीपक कुमार गुप्ता तनय श्री लक्ष्मण प्रसाद गुप्ता के नाम से किये जाने हेतु सार्वजनिक इश्तहार के प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर निगम कार्यालय में साक्ष्य सहित आपत्तिया प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समय सीमा के पश्चात प्राप्त आपत्तिया विधि मान्य नहीं होगी।

प्रभारी अधिकारी (राजस्व)
उप कार्यालय नवजीवन बिहार
नगर पालिक निगम सिंगरौली

जनसुनवाई में 187 आवेदकों की समस्याएं सुनी, दिए निराकरण निर्देश

समस्याओं के त्वरित निराकरण से आवेदक दिखे संतुष्ट

सीधी। नागरिकों के समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिये शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को जिला पंचायत सभागार में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक जनसुनवाई आयोजित की जाती है। इस बार आयोजित जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमान राज द्वारा जिले के विभिन्न अंचलों से आए 187 आवेदकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर शिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की गई तथा उसके निराकरण के लिए निर्देश दिए गए। अनिराकृत आवेदनों के लिये समय-सीमा निर्धारित कर अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं।

जनसुनवाई में नगर पालिक सीधी अन्तर्गत वीथिका भवन के सामने निवासी वेबा राजकुमारी सिंह ने अपने शिकायती आवेदन पत्र के माध्यम से बताया कि समग्र आईडी में नाम न होने के कारण उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। यदि समग्र आईडी में नाम जोड़ दिया जाए तो शासन द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा। सीईओ जिला पंचायत द्वारा आवेदन पत्र में कार्यवाही करते हुए सामाजिक न्याय द्वारा समग्र आईडी में नाम जोड़कर उन्हें खाद्यान्न पर्ची प्रदान करने के निर्देश दिए।

नर्वदा और छठिलाल को मिली ट्राइसाइकिल

जनसुनवाई में जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के ग्राम पोड़ी से आये नर्वदा गुप्ता ने अपने आवेदन पत्र के माध्यम से बताया कि पोलियो के कारण वह चलने में असक्षम है। उन्हें घर में या कहीं भी आने-जाने के लिए सहारे की आवश्यकता पड़ती है। वह अपना काम स्वयं नहीं कर पाते हैं। उन्होने कहा कि यदि उन्हें ट्राई साइकिल प्राप्त हो जाये तो वे अपना कार्य किसी के सहारे के बिना भी स्वयं कर सकेगें और कही भी आने-जाने में कोई परेशानी नहीं होगी। इसी प्रकार जनपद पंचायत रामपुर सिहावल के ग्राम गजरही से आये छठीलाल कोल ने अपने आवेदन पत्र के माध्यम से बताया कि मजदूरी करके जीवन यापन करते थे लेकिन 10 साल पहले काम करते समय ही पिलर गिर जाने के कारण दाया पैर से विकलांग हैं, जिसके कारण वे चलने में असक्षम है। उन्हें घर में या कहीं भी आने-जाने के लिए सहारे की आवश्यकता पड़ती है। उन्होंने बताया कि गजरही में ही सड़क के किनारे छोटी सी किराने की दुकान खोले हैं और उसका सामान लेने कुबरी जाना पड़ता है ट्राई सायकल मिलने से हम दुकान के लिए समान ला सकते हैं। उक्त दोनों आवेदकों की शारीरिक स्थिति को देखते हुए सीईओ जिला पंचायत ने सामाजिक न्याय विभाग द्वारा उन्हें सहायक उपकरण प्रदान कराए। जनसुनवाई में समस्याओं के त्वरित निराकरण होने से आवेदक बहुत खुश और संतुष्ट दिखे।

इस अवसर पर जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। आज आयोजित जनसुनवाई में समस्त उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय जनसुनवाई से जुड़े रहे।

बघवारी में विधिक जागरूकता व साक्षरता शिविर आयोजित

सीधी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजीव कुमार पाण्डेय तथा जिला न्यायाधीश एवं सचिव वीरेन्द्र जोशी के मार्गदर्शन में तथा न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अभिषेक साहू की अध्यक्षता में मंगलवार एक अक्टूबर को ग्राम पंचायत बघवारी में सिद्धार्थ शुक्ला जिला विधिक सहायता अधिकारी द्वारा विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सीधी अभिषेक साहू ने माता पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम, न्यायालयीन प्रक्रिया दांडिक तथा व्यवहार विधि के बारे में उपस्थित आमजन को जानकारी दी।

जिला विधिक सहायता अधिकारी सिद्धार्थ शुक्ला ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अंतर्गत संचालित योजना नि:शुल्क विधिक सहायता, नि:शुल्क विधिक सलाह तथा शासन द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

शिविर में विनय तिवारी आनंदम रिफेसर सहयोगी एवं पैरालीगल वालेंटियर सीधी, श्रीमती रश्मि तिवारी आनंदम सहयोगी एवं पैरालीगल वालेंटियर सीधी, अस्वनी पटेल आनंदक, अजीत वर्मा पैरालीगल वालेंटियर, श्रीमती पूजा पांडेय आनंदक, श्रीमती प्रतिभा द्विवेदी आनंदक, श्री प्रदीप सिंह, मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद से सम्बद्ध श्रीमती रश्मि दिव्यांग सेवा समिति के समस्त पदाधिकारी, रजनीश यादव परास्नातक छात्र मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद सीधी उपस्थित रहे।

बजरंग धाम के कार्य में बाधक बने लोगों पर की जाए कार्यवाही : विवेक

सीधी। शिवसेना ने बजरंग धाम कपुरी कोठार को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने में बाधक बने लोगों के विरुद्ध कार्यवाही को लेकर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंशुमान राज को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन सौंपने के बाद शिवसेना प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पाण्डेय ने कहा कि बजरंग धाम कपुरी कोठार में मृत प्राचीन तालाब को पुर्नजीवित करते हुते उसका सौंदर्यीकरण कर पर्यटन स्थल के रूप में विस्तार किया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध जन दिवस पर मड़वास महाविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित

सीधी। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय मड़वास में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आई.पी. प्रजापति के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षक श्री प्रयागदास साकेत ने कहा कि बुजुर्गों की सेवा करना ही मानव जीवन की सबसे बड़ी सेवा है।

कार्यक्रम में वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ.दीपक अग्निहोत्री ने पद्म श्री डॉ सुनील जोशी की पंक्तिया ''रहमत सिर्फ बरसती हैं उन्हीं लोगों पर, जिनके दामन में बुजुर्गों की दुआ होती हैं'', के साथ कहा कि बुजुर्ग समाज के धरोहर व आधारस्तंभ होते हैं इन्हीं के आशीर्वाद से हमारा पालन-पोषण होता है। द्वितीय वक्ता डॉ. लक्ष्मीकांत कुशवाहा ने कहा कि बुजुर्ग अपने जीवन के अनुभव का लाभ हमें देते हैं जिससे हमें जीवन यापन करना सरल हो जाता है। कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं में से काजल गुप्ता, शीलू शुक्ला, राजकुमार गुप्ता, निशा साहू, आरती पनिका, सावित्री विश्वकर्मा, आँचल सेन आदि ने कविताओं और गीतों के माध्यम से वृद्धजनों पर अपनी बात कही तो वही छात्रा कंचन गुप्ता ने अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के इतिहास पर बात रखी। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. ज्योति रजक ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ. राजेश पटेल, डॉ अनुराग तिवारी, सुंदर लाल प्रजापति, डॉ. कमलेश जायसवाल, अनिल केवट सहित महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

चुरहट में शांति समिति की बैठक हुई संपन्न

चुरहट। चुरहट में आज शांति समिति की बैठक संपन्न हुई, यह शांति समिति की बैठक नवरात्र को देखते हुए नगर परिषद के अंदर जितनी भी मूर्तियां रखी जाना है उन सभी के संबंध में की शांति व्यवस्था बनी रहे इसी को देखते हुए यह शांति समिति की बैठक बुलाई गई थी इस बैठक में प्रमुख रूप से चुरहट नायब तहसीलदार चुरहट थाना प्रभारी पुष्पेंद्र मिश्रा की उपस्थिति में नगर परिषद चुरहट के व्यापारी गड, गणमान्य नागरिको की उपस्थिति में संपन्न हुई ,बैठक में थाना प्रभारी पुष्पेंद्र मिश्रा ने कहा कि जहां-जहां प्रतिमाएं रखी जानी हैं उन उन स्थान को चिन्हित किया जाएगा साथ ही वहां हमारा बल हर समय निगरानी में मौजूद रहेगा साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जिस दिन से नवरात्र शुरू होगी उस दिन से झदवा महारानी में हमारा बल सुबह से शाम तक नियमित रूप से उपस्थित रहेगा ।

दो अक्टूबर से आरंभ होगा पार्टी के संगठन पर्व का द्वितीय चरण : देव कुमार

सीधी। भारतीय जनता पार्टी का महत्वपूर्ण संगठन पर्व सदस्यता अभियान के रूप में दो अक्टूबर से जिले के प्रत्येक मंडल और बूथ स्तर पर प्रारंभ होगा। जिसकी समीक्षा योजना और रचना बैठक भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान की अगुवाई में जिले भर में संपन्न हुई।

चुरहट मंडल की बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जन्म जयंती 2 अक्टूबर से भारतीय जनता पार्टी का संगठन पर सदस्यता अभियान प्रारंभ होगा । अब तक जिले भर की एक लाख पन्चान्वे हजार से अधिक सदस्यता हो चुकी है। शेष सदस्यता लक्ष्य द्वितीय चरण के प्रथम सप्ताह में ही अर्जित हो, इसके लिए व्यापक रणनीति योजना रचना हुई।

प्रथम चरण की शानदार सफलता के लिए भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान ने समस्त पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को बधाई और शुभकामना देते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम से हमने प्रथम चरण में प्रदेश के टॉप टेन में जगह बनाई है। आगे चलकर के हम टॉप फाइव में आए। इसका पूर्ण प्रयास हम सभी को करना चाहिए। भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान ने आगामी आने वाले 2 अक्टूबर से लेकर 15 अक्टूबर तक की समय सारणी भी बताई, जिसमें एक-एक दिन क्या-क्या करना है विस्तार से चर्चा कर लिपिबद्ध कराया। इस दौरान शानदार सदस्यता के लिए कार्यकर्ताओं में अच्छा उत्साह देखा गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष रजनीश शुक्ला, जिला महामंत्री अशोक पटेल, विनोद साकेत सहित अनेक पार्टी पदाधिकारी, विभिन्न मोर्चो के मंडल अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक और बूथ के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य शिविर का किया गया आयोजन

सीधी। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत जिला चिकित्सालय सीधी में विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य शिविर में वृद्धजनों की नि:शुल्क जांच तथा उपचार किया गया। विशेष रूप से ऑर्थोपेडिक ,नेत्र रोग, स्त्री रोग, मेडिसिन, सर्जरी, क्षय रोग, नाक कान गला, डेंटल, मनोरोग, एवं फिजियोथैरेपी से संबंधित बीमारियों का नि:शुल्क जांच और उपचार किया गया। सांसद डॉ राजेश मिश्रा तथा विधायक सीधी श्रीमती रीती पाठक द्वारा स्वास्थ्य शिविर का अवलोकन किया गया तथा वृद्धजनों से उनकी समस्याओं पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि वृद्धजन हमारे समाज की धरोहर हैं। आज हमारा समाज जिस स्थिति में है वह इनके अथक परिश्रम और योगदान से ही संभव हो पाया है। अब उम्र के इस पड़ाव में इन्हें भावनात्मक सहयोग देना हमारी जिम्मेदारी है। शासन द्वारा वृद्धजनों के जीवन को सहज बनाने के लिए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। इनका लाभ उन्हें सहजता से मिले। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को वृद्धजनों को पूरी संवेदनशीलता के साथ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए कहा है। शिविर में सिविल सर्जन डॉ दीपारानी इसरानी, प्रभारी अधिकारी डॉ हरिओम सिंह, नोडल डॉ पंकज तिवारी एवं जिला चिकित्सालय के समस्त चिकित्सक एवं स्टाफ द्वारा उपस्थित रहकर आने वाले वृद्धजनों का नि:शुल्क जांच एवं उपचार दिया गया।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत मेरी पॉलिसी मेरे हाथ कार्यक्रम आयोजित

सीधी। सीधी जिले में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत ''मेरी पॉलिसी मेरे हाथ'' कार्यक्रम का जिला स्तरीय आयोजन उप संचालक कृषि संजय श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. शैलेन्द्र सिंह गौतम, तकनीकी सहायक कृषि बंटीलाल, फसल बीमा नोडल अधिकारी शिवेन्द्र बहादुर सिंह के उपस्थिति में किया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र सीधी में आयोजित इस कार्यक्रम में पवन कुमार साहू ए.आई.सी बीमा कंपनी के जिला प्रतिनिधि एवं विवेक कुमार साहू (रामपुर नैकिन), अम्बिका कुशवाहा (सीधी), मुकेश साहू (गोपद बनास), राकेशकुमार साहू (चुरहट), अजय कुमार साहू (बहरी), राजीव साहू (सिहावल), अभय वर्मा (मझौली) तहसील स्तरीय प्रतिनिधि सहित अन्य अधिकारी एवं फसल बीमा पॉलिसी कराने वाले किसान उपस्थित थे।

मद्य निषेध सप्ताह में गतिविधियों का होगा आयोजन

सीधी। अपर कलेक्टर ने जानकारी देकर बताया है कि सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग संचालनालय म.प्र. के पत्र 12 सितम्बर 2024 के परिपालन में मद्यनिषेध सप्ताह/नशामुक्ति अभियान के सक्रिय क्रियान्वयन के संबंध में विभागों को आवश्यक कार्य एवं दायित्व सौंपा गया है। उन्होने जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र, समस्त प्राचार्य शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालय, समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगरपालिक परिषद सीधी, नगर परिषद चुरहट, रामपुर नैकिन एवं मझौली तथा जिला समन्वयक जन अभियान परिषद सीधी को निर्देशित किया है कि मद्यनिषेध सप्ताह/नशामुक्ति अभियान के सक्रिय क्रियान्वयन के संबंध में जिले के समस्त शासकीय, अशासकीय महाविद्यालय एवं विद्यालयों तथा अन्य शासकीय, अशासकीय विभागों, स्वयं सेवी संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। समाज में बढ़ती हुयी नशा की दुष्प्रवृत्ति, नशे के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों से बचाव एवं जनजागृति के लिये शासन से निर्धारित 7 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित कर कार्यवाही का प्रतिवेदन उप संचालन सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग जिला सीधी को भेजना सुनिश्चित करें।

उच्च गुणवत्ता की औषधि सस्ती दरों में उपलब्ध कराना ही जन औषधि केंद्र का कार्य : डॉ राजेश

सीधी। सांसद एवं भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन डॉ राजेश मिश्रा ने इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा जिला चिकित्सालय परिसर में संचालित जन औषधि केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान लाइसेंसी सुरेंद्र मणि दुबे, फार्मासिस्ट अनुपमा तिवारी, संदीप पाण्डेय, डॉक्टर मनोज सिंह परिहार सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

जन औषधि केंद्र के निरीक्षण के पश्चात सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने कहा कि उच्च गुणवत्ता की औषधि सस्ती दर पर आम जनों को मिल सके, यही इस प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का लक्ष्य है। विगत 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर इस औषधि केंद्र का भव्य शुभारंभ किया गया था। जिसमें हमारे प्रभारी मंत्री, सभी विधायक एवं पूरा जिले और अस्पताल का प्रशासनिक अमला उपस्थित रहा। सांसद एवं चेयरमैन डॉ राजेश मिश्रा ने लोगों से अपील की है कि वह प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का लाभ उठाएं। सभी प्रकार की दवाइयां 50 प्रतिशत से लेकर 90 प्रतिशत मार्केट दर से सस्ती दवाइयां उच्च गुणवत्ता एवं हाई मानक पर उपलब्ध हैं। इसके पूर्व प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र में आगमन पर जन औषधि केंद्र के स्टाफ द्वारा माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया। सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा ने प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र सुव्यवस्थित संचालित करने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ जे पी नड्डा, राज्यपाल मंगू भाई पटेल, प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल का विशेष रूप से आभार भी ज्ञापित किया।

सरस्वती मड़रिया ने क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में लहराया परचम

सीधी। तुराब अली खान 35वें क्षेत्रीय खेलकूद समारोह में 100 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है तथा आगे अखिल भारतीय प्रतियोगिता हेतु अपनी जगह सुनिश्चित किया है। यह 100 मीटर दौड़ उसने मात्र 12.07 सेकंड में पूरी की। क्षेत्रीय खेलकूद समारोह सरस्वती शिशु मंदिर कल्याणगंज खंडवा, मालवा प्रांत में आयोजित की गई थी। इसमें चार प्रांत महाकौशल प्रांत, मध्य भारत, मालवा प्रांत और छत्तीसगढ़ शामिल हुए। अब आगामी अखिल भारतीय खेलकूद समारोह सतना में आयोजित होगा। इस क्षेत्रीय प्रतियोगिता में विद्यालय की बहन साधना साहू पिता यज्ञभान साहू ने 'हैमर फेंक' में तीसरा स्थान प्राप्त कर विद्यालय परिवार को गौरवांवित किया है।

गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर चित्रकला प्रतियोगिता

गणेश स्कूल के बच्चों ने उकेरे महात्मा गांधी के भावात्मक चित्र

सीधी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 155वीं जयंती की पूर्व संध्या पर मंगलवार को श्री गणेश सीनियर सेकेंडरी स्कूल, पड़रा में गांधी उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल के कक्षा पहली से पांचवीं तक के छात्र-छात्राओं ने चित्रकला के माध्यम से महात्मा गांधी के चित्र व उनकी विचारधारा को प्रेरक संदेशों के माध्यम से कागज पर उकेरकर अपने भावों को व्यक्त किया।

आर्ट टीचर राजकपूर चितेरा ने बताया कि बच्चों ने गांधीजी के विचारों और जीवनशैली को अपने भावों व रंगों के जरिए कागज पर उकेरा और उन्हें चित्रों का रूप दिया। सभी बच्चों ने बहुत ही सुंदर ड्राइंग बनाई। किसी ने महात्मा गांधी के चित्र के साथ स्वच्छ भारत को प्रदर्शित किया तो किसी ने उन्हें राष्ट्र की प्रगति के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में दर्शाया। पेंटिंग्स में अहिंसा, सादगी और आत्मनिर्भरता के उनके सिद्धांत कई चित्रों में स्पष्ट रूप से दिखाई दिए। आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में चुनी गईं सर्वश्रेष्ठ पेंटिंग्स में पहली कक्षा से आरोही चौबे प्रथम, प्रिया मिश्रा द्वितीय, आश्रय नामदेव तृतीय, दूसरी कक्षा में आरव सिंह प्रथम, राघव चतुर्वेदी द्वितीय, हृदया द्विवेदी तृतीय, तीसरी कक्षा में विराट नावेद प्रथम, अथर्व प्रताप सिंह द्वितीय, श्रीनिका मिश्रा तृतीय, चौथी कक्षा में हार्दिक मिश्रा प्रथम, नित्या सिंह चौहान द्वितीय, पीयूष गुलवानी व विकास जायसवाल संयुक्त रूप से तृतीय रहे, पांचवी कक्षा में समीक्षा द्विवेदी प्रथम, अयान शुक्ला द्वितीय एवं आराधना यादव तृतीय रही। बताया, चित्रकला प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बच्चों को प्रशस्तिपत्र दिया जाएगा।

स्कूल के प्राचार्य डॉ. महेंद्र कुमार तिवारी ने बच्चों की प्रतिभा को सराहते हुए कहा कि सही दृष्टिकोण, उचित मार्गदर्शन और समय-समय पर बच्चों को अपने इतिहास के बारे में बतलाते रहने से न केवल हमारा भविष्य सांस्कृतिक रूप से सुदृढ़ होगा, बल्कि महापुरुषों के सपनों का भारत बनने की दिशा में तेज़ी से अग्रसर होगा। प्रधानाध्यापिका माएमा सिमन्स ने राष्ट्र पिता महात्मा गांधी की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे।

संपादकीय

बेकाबू हो सकता है युद्ध

लेबनान में शुक्रवार को हुए इस्राइली हमले में हसन नसरल्लाह का मारा जाना हिज्बुल्ला के लिए ऐसा झटका है, जिससे उबरना उसके लिए आसान नहीं होगा। इस्राइली सेना और नेतन्याहू सरकार के लिए यह उतनी ही बड़ी कामयाबी है। अफसोस की बात यह है कि इस कथित झटके या कामयाबी के बाद भी इस क्षेत्र में शांति की संभावना मजबूत नहीं हुई है। इसके उलट संघर्ष के बेकाबू होने का खतरा बढ़ गया है। पिछले तीन दशक से भी ज्यादा समय से हिज्बुल्ला का नेतृत्व कर रहा नसरल्लाह मध्यपूर्व के सबसे प्रभावशाली व्यक्तित्वों में शुमार किया जाता था। उसकी कमी की जल्द भरपाई होना मुश्किल है। मगर हिज्बुल्ला के लिए यह इकलौता झटका नहीं है। हाल के हमलों में उसके एक दर्जन से ज्यादा टॉप के कमांडर मारे जा चुके हैं। बहुचर्चित पेजर और वॉकी टॉकी हमलों ने उसके इंटरनल कम्युनिकेशन सिस्टम को भी लगभग खत्म कर दिया है। ऐसे में खुद को समेटकर इस्राइल पर दोबारा वैसा ही हमला करना हिज्बुल्ला के लिए काफी मुश्किल होगा। ताजा झटका कितना भी बड़ा हो, यह समझना गलत होगा कि इससे हिज्बुल्ला इस्राइल के सामने समर्पण कर देगा। पिछले कुछ दशकों में हिज्बुल्ला दुनिया का सबसे ताकतवर नॉन स्टेट एक्टर बन चुका है। उसके पास 1,50,000 से अधिक रॉकेट और मिसाइलें बताई जाती हैं। उसकी सैन्य ताकत किसी मिडल साइज के देश के बराबर मानी जाती है। हिज्बुल्ला ने कहा भी है कि वह इस्राइल के खिलाफ अपना अभियान जारी रखेगा। कुछ समय पहले तक 12 देशों की ओर से प्रस्तावित युद्धविराम को लेकर जो भी बची-खुची उम्मीद थी, वह अब समाप्त हो गई है। ताजा कामयाबी ने इस्राइल का उत्साह और बढ़ा दिया है। ऐसे में सवाल यह है कि क्या हिज्बुल्ला की मिसाइलों का खतरा समाप्त करने के बाद इस्राइल अपने सैनिकों को लेबनान में घुसने का आदेश देता है। अगर ऐसा हुआ तो यह एक और लंबी लड़ाई की शुरुआत साबित हो सकती है। निगाहें ईरान पर भी टिकी हैं। वह पहले से नाराज है। तेहरान के एक गेस्टहाउस में हमास नेता इस्माइल हानिये की मौत का बदला भी उसे लेना है। नसरल्लाह की मौत उसके लिए भी झटका है। देखने वाली बात यह है कि उसकी प्रतिक्रिया कितनी और कैसी होती है। जहां तक भारत की बात है तो बाकी पूरी दुनिया की तरह वह भी यही चाहेगा कि संघर्ष की यह आग ज्यादा न फैले।

भारतीय राजनीति में तब तक गांधी का सितारा बहुत नहीं चमक पाया था। लेकिन उन्होंने राजनीति की दुनिया में सफाई के विचार का बीज रोप दिया। कोलकाता अधिवेशन में दिखी गंदगी का ही असर कह सकते हैं कि बाद के दिनों में उन्होंने विचार दिया, स्वतंत्रता से ज्यादा जरूरी स्वच्छता है। गांधी के रचनात्मक शिष्यों यथा बिनोबा, ठक्कर बापा आदि ने स्वच्छता और सफाई के इस गुर को बहुत आगे बढ़ाया। लेकिन जिसे मुख्यधारा की राजनीति कहते हैं, उसने स्वच्छता के गांधीवादी दर्शन को उसी रूप में बाद में शायद ही स्वीकार किया। इन संदर्भों में देखें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले राजनेता हैं, जिन्होंने अहम जिम्मेदारी संभालते हुए स्वच्छता और शौचालय क्रांति की बात की।

स्वच्छ भारत अभियान का एक दशक

(उमेश चतुर्वेदी)

स्वच्छ भारत अभियान के एक दशक पूरे हो गए हैं। इस दौरान स्वच्छता के मोर्चे पर देश ने बहुत कुछ हासिल किया है। ऐसा नहीं कि भारत में स्वच्छता की अवधारणा नहीं रही है। भारत के प्राचीन ग्रंथ,सामाजिक व्यवस्था और मंदिर संस्कृति की परंपराएं स्वच्छता की भारतीय धारा की गवाह हैं।

साल 1901 के कोलकाता के कांग्रेस अधिवेशन में दक्षिण अफ्रीका से हिस्सा लेने पहुंचे गांधी को अजीब अनुभव हुआ। प्रतिनिधियों को ठहरने वाले शिविर में सफाई की हालत बेहद खराब थी। कई प्रतिनिधि ऐसे थे, जिन्होंने उन कमरों के बाहर बने बरामदे का ही शौचालय के रूप में इस्तेमाल कर दिया। दुर्गंध और गंदगी के बावजूद दूसरे प्रतिनिधियों को इस पर कोई ऐतराज नहीं था। लेकिन गांधी जी से बर्दाश्त नहीं हुआ। तब तक वे पश्चिमी वेशभूषा में रहते थे। अधिवेशन में सहयोग के लिए तैनात स्वयंसेवकों से गांधी जी ने स्वच्छता की बाबत बात की, तो उन्होंने टका-सा जवाब दे दिया था, 'यह हमारा काम नहीं है, यह सफाईकर्मी का काम है।' गांधी जी से बर्दाश्त नहीं हुआ। उन्होंने अपने कपड़े उतारे, झाड़ू मंगवाई और वहां मौजूद गंदगी साफ को साफ करने में जुट गए। सफाई के बाद वे फिर से कोट-पैंट में आ गए।

भारतीय राजनीति में तब तक गांधी का सितारा बहुत नहीं चमक पाया था। लेकिन उन्होंने राजनीति की दुनिया में सफाई के विचार का बीज रोप दिया। कोलकाता अधिवेशन में दिखी गंदगी का ही असर कह सकते हैं कि बाद के दिनों में उन्होंने विचार दिया, स्वतंत्रता से ज्यादा जरूरी स्वच्छता है। गांधी के रचनात्मक शिष्यों यथा बिनोबा, ठक्कर बापा आदि ने स्वच्छता और सफाई के इस गुर को बहुत आगे बढ़ाया। लेकिन जिसे मुख्यधारा की राजनीति कहते हैं, उसने स्वच्छता के गांधीवादी दर्शन को उसी रूप में बाद में शायद ही स्वीकार किया। इन संदर्भों में देखें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले राजनेता हैं, जिन्होंने अहम जिम्मेदारी संभालते हुए स्वच्छता और शौचालय क्रांति की बात की। शायद ही किसी ने सोचा होगा कि कोई प्रधानमंत्री लालकिले की प्राचीर से शौचालय क्रांति की बात करेगा। लेकिन मोदी ने ना सिर्फ शौचालय क्रांति की, बल्कि इसके डेढ़ महीने बाद गांधी जी की जयंती पर 2 अक्टूबर 2014 को खुद ही फावड़ा और झाड़ू उठा लिया। इसके साथ ही देश के सामने एक नया अभियान आया, 'स्वच्छ भारत अभियान'।

स्वच्छ भारत अभियान के एक दशक पूरे हो गए हैं। इस दौरान स्वच्छता के मोर्चे पर देश ने बहुत कुछ हासिल किया है। ऐसा नहीं कि भारत में स्वच्छता की अवधारणा नहीं रही है। भारत

के प्राचीन ग्रंथ,सामाजिक व्यवस्था और मंदिर संस्कृति की परंपराएं स्वच्छता की भारतीय धारा की गवाह हैं। यह कह सकते हैं कि बाद के दिनों में भारतीय स्वच्छता सिर्फ व्यक्तिगत स्वच्छता तक सीमित होकर रह गई थी। भारतीयों के एक बड़े वर्ग की सोच सफाई को लेकर ज्यादा निजी थी। शायद ही कोई भारतीय घर होगा, जहां रोजाना झाड़ू ना लगती हो। स्वच्छ भारत अभियान के पहले होता यह था कि झाड़ू लगती तो थी,लेकिन कूड़ा गली में या सड़क पर या सार्वजनिक जगहों पर फेंक दिया जाता था। प्रधानमंत्री मोदी के स्वच्छ भारत अभियान के शुरू करने के बाद इस सोच में बदलाव आया है। वैसे मानव स्वभाव कोई बिजली का बल्ब नहीं है कि बटन दबाया और जल या बुझ जाएगा। उसमें बदलाव आने में देर होती है। बदलाव को वह जल्दी से स्वीकार नहीं कर पाता। इसीलिए स्वच्छता के मोर्चे पर हम देखते हैं कि सौ प्रतिशत सफलता हासिल नहीं की जा सकी है। रेलवे लाइनों के किनारे पड़े कूड़े के अंबार अब भी बने हुए हैं। लेकिन स्वच्छ भारत अभियान के दस वर्षों में यह सोच जरूर विकसित हुई है कि निजी ही नहीं, सार्वजनिक स्वच्छता जरूरी है। नई पीढ़ी के बच्चे तो अब बड़े-बड़ों को सार्वजनिक गंदगी के लिए टोक देते हैं।

स्वच्छता को लेकर महात्मा गांधी ने कहा था, 'मैं किसी को भी अपने दिमाग़ से गंदे पैर लेकर नहीं गुज़रने दूँगा।' गांधी के इस दर्शन पर भी चलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान शुरू करते हुए कहा था, 'न मैं गंदगी करूंगा, न मैं गंदगी करने दूंगा।' सार्वजनिक समारोहों में उनकी यह सोच अक्सर परिलक्षित होती है। किताब आदि के विमोचन के दौरान रैपर आदि को वे मोड़कर अपनी जेब में रख लेते हैं। इससे देश के अधिसंख्य लोगों ने प्रेरणा ली है और उस पर अमल भी कर रहे हैं।

स्वच्छता अभियान की सफलता ही कहेंगे कि देश के बारह करोड़ घरों में शौचालय बन चुके हैं। स्वच्छ भारत अभियान की एक दशक की यात्रा में न केवल शौचालय कवरेज में भारी वृद्धि हुई है, बल्कि खुले में शौच की कुप्रथा तकरीबन खत्म हो गयी है। स्वच्छता का मतलब सिर्फ सफाई ही नहीं, खाने-पीने की चीजें भी स्वच्छ होनी चाहिए। इस लिहाज से हर घर नल जल योजना को भी स्वच्छ भारत अभियान से जोड़ सकते हैं। जिसके तहत पाइप से स्वच्छ पानी की आपूर्ति की कवरेज दस सालों में 16 प्रतिशत से बढ़कर 78 प्रतिशत हो गई है। देश में धुएं के प्रदूषण से महिलाओं को रोजाना दो-चार होना पड़ता था। उज्ज्वला योजना के जरिए इस दिशा में स्वच्छ भारत अभियान को सफल कहा जा सकता है। इस योजना के तहत 11 करोड़ घरों में रसोई गैस का कनेक्शन पहुंच चुका है। स्वच्छ भारत अभियान से स्वास्थ्य के मोर्चे पर बड़ा बदलाव आया है। हालही में विश्व प्रसिद्ध पत्रिका नेचर में स्वच्छ भारत अभियान के बाद आए भारत में बदलावों के शोध पर आधारित एक लेख छपा था। इससे पता चलता है कि स्वच्छ भारत अभियान गेम चेंजर बन गया है। नेचर पत्रिका में प्रकाशित आलेख कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के अंतर्राष्टीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान और ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी के एक शोध पर आधारित है। जिससे पता चलता है कि खुले में शौच की कुरीति खत्म होने के बाद और शौचालय क्रांति से देश में शिशु मृत्यु दर में कमी आई है। शोध पत्र में कहा गया है कि खुले में शौच की कुरीति के खत्म होने से हर वर्ष करीब 60 हजार से 70 हजार शिशुओं की मृत्यु को रोकने में सफलता मिली है। शोध पत्र के अनुसार, वर्ष 2000 से 2015 की तुलना में वर्ष 2015 और 2020 के बीच शिशु मृत्यु दर एक तिहाई रह गई...इसके आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2000 और 2015 के बीच शिशु मृत्यु दर में जहां तीन प्रतिशत वार्षिक की गिरावट रही, वहीं बाद में यह गिरावट आठ से नौ प्रतिशत ज्यादा हुई। इसी तरह 2000 और 2015 के बीच की तुलना में बाद के वर्षों में शिशु मृत्यु दर में 10 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। इस लेख मुताबिक, साल 2014 में शिशु मृत्यु दर जहां 39 अंक थी, वह साल 2020 में घटकर 28 रह गई। स्वच्छता अभियान की सफलता की कहानी विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट भी करती है। इस रिपोर्ट के अनुसार, स्वच्छता अभियान के चलते 2014 से 2019 के बीच डायरिया से होने वाली मौत के करीब तीन लाख मामले कम हुए, जो इसके पहले की अवधि में ज्यादा थे। इसी रिपोर्ट के मुताबिक, खुले में शौच की कुरीति खत्म होने से हर परिवार के स्वास्थ्य पर होने वाले करीब 50 हजार रूपए सालाना के खर्च की बचत हुई है। इसके साथ ही भूजल की गुणवत्ता भी पहले की तुलना में बेहतर हुई है। शौचालय क्रांति के चलते अब करीब 93 प्रतिशत महिलाएं अपने घरों में ज्यादा सुरक्षित महसूस करती हैं। क्योंकि अब उन्होंने शौच के लिए बाहर नहीं जाना पड़ा। स्वच्छ भारत अभियान साल 2020 से संपूर्ण स्वच्छता अभियान में तब्दील किया जा चुका है। जिसके लिए एक लाख चालीस हजार करोड़ की रकम आवंटित की गई है। जाहिर है कि स्वच्छता के मोर्चे पर देश ने बहुत कुछ हासिल किया है। लेकिन यह कहना अभी जल्दीबाजी होगी कि देश ने इस दिशा में सबकुछ हासिल कर ही लिया है। लेकिन अब भी देश के कुछ इलाके ऐसे हैं, जहां का मानस सार्वजनिक स्वच्छता को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध और सचेत नहीं हो पाया है।

दवा कारोबार की अनैतिकता से बढ़ता जीवन संकट

(ललित गर्ग)

आम लोगों के मन में सवाल बाकी है कि यदि ये दवाएं मानकों पर खरी नहीं उतरती तो इनके नकारात्मक प्रभाव किस हद तक हमारी सेहत को प्रभावित करते हैं। यह भी कि जो लोग घटिया दवाइयां बेच रहे थे क्या उनके खिलाफ कोई कार्रवाई की पहल भी हुई है?

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने दवाइयों के क्वालिटी टेस्ट में 53 दवाओं को फेल कर दिया गया है। उनमें कई दवाओं की क्वालिटी खराब है तो वहीं दूसरी ओर बहुत सी दवाएं नकली भी बिक रही हैं। इन दवाओं में बीपी, डायबिटीज, एसिड रिफलक्स और विटामिन की कुछ दवाइयां भी शामिल हैं। इसके अलावा सीडीएससीओ ने जिन दवाओं को गुणवत्ता में फेल किया हैं उसमें बुखार उतारने वाली पैरासिटामोल, पेन किलर डिक्लोफेनेक, एंटीफंगल मेडिसिन फ्लुकोनाजोल जैसी देश की कई बड़ी फार्मास्युटिक्लस कंपनी की दवाएं भी शामिल हैं और इनको सेहत के लिए नुकसानदायक भी बताया गया है। निश्चित ही यह खबर परेशानी एवं चिन्ता में डालने वाली है। कैसी विडंबना है कि काफी समय से सरकारों की नाक के नीचे ये दवाइयां धड़ल्ले से बिकती रही हैं। गुणवत्ता के मानकों पर खरा न उतरने वाली दवाओं की सूची जारी होने से उन मरीजों की स्वास्थ्य सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गयी हैं जो इन दवाओं का इस्तेमाल कर रहे थे। दुर्भाग्य से इस सूची में हाइपरटेंशन, डाइबिटीज, कैल्शियम सप्लीमेंट्स, विटामिन-डी3 सप्लीमेंट्स, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, विटामिन-सी, एंटी-एसिड, एंटी फंगल, सांस की बीमारी रोकने वाली दवाएं भी शामिल हैं। इसमें दौरे व एंग्जाइटी का उपचार करने वाली दवाएं भी शामिल हैं। ये दवाएं बड़ी कंपनियों द्वारा भी उत्पादित हैं।

रोगी इस उम्मीद में दवा लेते हैं कि इससे उनकी बीमारी ठीक होगी। लेकिन यह पता लगे कि जिन दवाइयों का वे सेवन कर रहे हैं वे दवा नहीं बल्कि जहर के रूप में बाजार में आ गई हैं तो क्या बीतेगी? हिंदुस्तान में आज लाखों लोगों को ये दवाएं जीवन-रक्षा नहीं दे रही है बल्कि मार रही है, इंसान का लोभ एवं लालच इंसान को मार रहा है। ऐसे स्वार्थी लोगों एवं जीवन से खिलवाड़ करने वालों को राक्षस, असुर या दैत्य कहा गया है जो समाज एवं राष्ट्र में तरह-तरह से स्वास्थ्य सुरक्षा के नाम पर मौत बांट रहे हैं। अमानक एवं गुणवत्ता में दोषपूर्ण पाई गई इन दवाओं में कई नामी कंपनियों की दवाएं भी शामिल हैं। अमानक पाई गई दवाइयों के ये मामले तो तब आए हैं जब पहले से ही दवाओं की गुणवत्ता तय करने के लिए कई सख्त प्रक्रियाएं होती हैं। इनमें कच्चे माल की जांच और निर्माण प्रक्रिया का निरीक्षण तक शामिल होता है। इसके बावजूद नामी दवा निर्माता कंपनियों के उत्पाद भी मानकों पर खरे नहीं उतरें तो यह माना जाना चाहिए कि कम लागत में ज्यादा मुनाफा कमाने के चक्कर में ये कंपनियां नैतिकता एवं मानवीयता को ताक पर रखने लगी है। यह कोई पहला मौका नहीं है जब दवाइयां गुणवत्ता के पैमानों पर खरी नहीं उतरी हैं।

आम लोगों के मन में सवाल बाकी है कि यदि ये दवाएं मानकों पर खरी नहीं उतरती तो इनके नकारात्मक प्रभाव किस हद तक हमारी सेहत को प्रभावित करते हैं। यह भी कि जो लोग घटिया दवाइयां बेच रहे थे क्या उनके खिलाफ कोई कार्रवाई की पहल भी हुई है? फिलहाल इस बाबत कोई जानकारी आधिकारिक रूप से सामने नहीं आई है। निस्संदेह, यह शर्मनाक है और तंत्र की विफलता को उजागर करता है कि शारीरिक कष्टों से मुक्त होने के लिये लोग जो दवाएं खरीदते हैं, वे घटिया हैं? बहुत संभव है ऐसी घटिया दवाओं के नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते होंगे। इस बाबत गंभीर शोध-अनुसंधान की जरूरत है। चिंता यह भी कि यदि रैंडम सैम्पलिंग में ये दवाइयां पकड़ी नहीं जाएं तो इनकी खुलेआम बिक्री लोगों की सेहत पर खतरा बन कर मंडराती रहती हैं। एक तरफ सीडीएससीओ ने दवाओं की सुगम आपूर्ति के लिए अमरीका, ऑस्ट्रेलिया, जापान, कनाडा व यूरोपीय संघ के कुछ चुनिंदा देशों से आयातित दवाओं को नियमित नमूना परीक्षण से छूट दी है, वहीं देश के बाजारों में पहुंची दवा निर्माता कंपनियों की दवाओं में मिलने वाली यह खोट हमारी छवि पर विपरीत असर डालने वाली है।

दवा परीक्षण में किसी भी स्तर पर लापरवाही अक्षम्य ही है क्योंकि दवा कारोबार में हेराफेरी का खेल लोगों की जान का दुश्मन बन सकता है। विडंबना देखिए कि ताकतवर और धनाढ्य वर्ग द्वारा संचालित इन दवा कंपनियों पर राज्य सरकारें भी जल्दी हाथ डालने से कतराती हैं। जिसकी कीमत आम लोगों को ही चुकानी पड़ती है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि मानवीय मूल्यों में इस हद तक गिरावट आई है कि लोग अपने मुनाफे के लिये पीड़ित मरीजों के जीवन से खिलवाड़ करने से भी नहीं चूक रहे हैं। व्यथित करने वाली बात है कि गुणवत्ता एवं मानक में फेल होने वाली दवाओं में पेट में इंफेक्शन रोकने वाली एक चर्चित दवा भी शामिल है। उल्लेखनीय है कि इसी साल अगस्त में केंद्र सरकार ने 156 फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन यानी एफडीसी दवाओं की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया था। दरअसल, ये दवाइयां आमतौर पर सर्दी व बुखार, दर्द निवारक, मल्टी विटामिन और एंटीबायोटिक्स के रूप में इस्तेमाल की जा रही थी। मरीजों के लिये नुकसानदायक होने की आशंका में इन दवाइयों के उत्पादन, वितरण व उपयोग पर रोक लगा दी गई थी। सरकार ने यह फैसला दवा टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड की सिफारिश पर लिया था। जिसका मानना था कि इन दवाओं में शामिल अवयवों की चिकित्सकीय गुणवत्ता संदिग्ध है। दरअसल, एक ही गोली को कई दवाओं से मिलाकर बनाने को फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन ड्रग्स यानी एफडीसी कहा जाता है। बहरहाल, सामान्य रोगों में उपयोग की जाने वाली तथा जीवनरक्षक दवाओं की गुणवत्ता में कमी का पाया जाना, मरीजों के जीवन से खिलवाड़ ही है। जिसके लिये नियामक विभागों की जवाबदेही तय करके घटिया दवा बेचने वाले दोषियों को कठोर दंड दिया जाना चाहिए। असल में इस तरह की दानवी सोच वाले लोग सिर्फ अपना स्वार्थ देखते हैं। ऐसे लोग धन-संपत्ति आदि के जरिए सिर्फ अपना ही उत्थान करना चाहते हैं, भले ही इस कारण दूसरे लोगों और पूरे समाज ही मौत के मुंह में जा रहे हो, यह मानवीय संवेदनाओं के छीजने की चरम पराकाष्ठा है। यह कैसी विडम्बना एवं विसंगतिपूर्ण दौर है जिसमें जिसको जहां मौका मिल रहा है, वह लूटने में लग हुआ है, यहाँ कोई भी व्यक्ति सिर्फ तब तक ही ईमानदार है जबतक उसको चोरी करने का या लूटने का मौका नहीं मिलता। हद तो तब है जब कई जगह जीवनरक्षक इंजेक्शनों की जगह नकली इंजेक्शन तैयार करने की खबरें भी आती रहती हैं। हम कितनें लालची एवं अमानवीय हो गये हैं, हमारी संवेदनाओं का स्रोत सूख गया है, तभी अपना ईमान बेच कर इंजेक्शन में पैरासिटामोल मिलाकर बेचने लगते हैं, हम तो अपनी तिजोरियां भरने के लिए जिंदा इंसानों को ही नोच रहे हैं, कहाँ लेकर जाएंगे ऐसी दौलत या फिर किसके लिए? यह कैसी मानवीयता है?

दवाओं की गुणवत्ता से खिलवाड़ दवा निर्माता कम्पनियों का एक घिनौना, क्रूर एवं अमानवीय चेहरा ही है जो मनुष्य के स्वास्थ्य को चौपट कर रहे हैं। एक तो बीमारियों का कोई कारगर इलाज नहीं है, दूसरा इन बीमारी में काम आने वाली तमाम जरूरी दवाइयां लालची लोगों ने अमानक एवं दोषपूर्ण कर दी हैं। बढ़ती बीमारियां इन राक्षसों के कारण ही बेकाबू हो रही है। सरकारें इन त्रासद स्थितियों एवं बीमारी पर नियंत्रण पाने में नाकाम साबित हुई है। देश के लाखों लोग कातर निगाहों से शासन-प्रशासन की ओर देख रहे हैं कि कोई तो राह निकले। सरकार का व्यवस्था पर नियंत्रण कमजोर होता दिख रहा है। आम आदमी जाए तो कहां जाये? विश्व को श्रेष्ठ, नैतिक एवं मानवीय बनने का उपदेश देने वाला देश आज कहां खड़ा है? आज इन मूल्यों एवं संवेदनाओं की दृष्टि से देश कितना खोखला एवं जर्जर हो गया है। आज भौतिक एवं स्वार्थी मूल्य अपनी जड़ें इतनी गहरी जमा चुके हैं कि उन्हें निर्मूल करना आसान नहीं है। मनुष्य का संपूर्ण कर्म प्रदूषित हो गया है।

वर्ग पहेली 5509

1	2		3	■	■	4	5
6		■	7	8	9		
10		11	■	12		■	■
	■		■	13		14	15
■	16			■	■	17	
18			■	■	19		
	■	20	21	■	22		■
23		■	24			■	■

संकेत: बाएं से दाएं

1. महाराजा जयसिंह द्वितीय ने इस शहर की स्थापना 1727 के दिन की (4)
4. जो, अगर (2)
6. कमरा (अंग्रेजी)(2)
7. फिल्म बरसात से अपना सरगमी सफर शुरू करने वाली संगीतकार जोड़ी में से एक (निधन 12 सितंबर 1971)(5)
10. दस्तावेज लिखित, तहरीरी (3)
12. वर्जित, निषिद्ध, जो रोका गया हो (2)
13. प्राचीनकाल में मगध देश का राजा जो दो खंडों में उत्पन्न हुआ था (4)
16. आंकुशी (3)
17. घोड़े कीपीठ पर रखने की गद्दी (2)
18. गीत, तराना (उर्दू) (3)
19. प्रस्थिति, प्रेषिति (3)
20. रिक्त, खाली (2)
22. जल, आब, नीर (2)
23. स्वतंत्र, आजाद, उन्मुक्त (2)
24. नैन, चक्षु, आंख (3)

(ऊपर से नीचे

1. आवश्यकता, इच्छा (4)
2. एक अर्थालंकार जिसमें एक हीशब्द अनेक बार आकर उसके भिन्न-भिन्न अर्थ देता है (3)
3. धूल, गर्द, पराग के कण (2)
5. सूर्योदय से लेकर सूर्यास्त तक का समय, दिवस (2)
8. जुड़वा, अश्विनी कुमार (3)
9. तट, तीर, साहिल (3)
11. ट्रेजिडी क्वीन कहलाने वाली इस अभिनेत्री की अंतिम फिल्मों में से एक पाकीजा थी (5)
14. लक्ष्मण को जीवित करने के लिए हनुमान इस औषधि को लेकर आए थे, जीवन मूरी (4)
15. धन की इच्छा या कामना, राजा कृतवीर्य के पिता का नाम (3)
16. शरीर का अवयव, पक्ष (2)
18. प्रांत प्रशासक (उर्दू)(3)
19. कहा जाता है इस देश के साम्राज्य की स्थापना 6603 ई.पू.में सम्राट जिम्मू ने की थी (3)
21. संगीत में स्वरों का कलापूर्ण विस्तार (2)

वर्ग पहेली 5508 का हल

श	ता	फ	रि	या	■	क	ल
ड	ल	■	स	म	का	लि	क
र	■	ला	वा	■	ल	■	क
■	अ	प	ना	■	का	र	ल
ग	ज	र	■	मौ	■	वि	■
र	■	वा	द	न	■	शं	का
ज	वा	ह	र	■	■	क	म
ना	त	■	मा	■	ता	र	ना

यहां-वहां ठहरी-बची गरीबी का जाल टूटना चाहिए

(अनुराग बेहार, सीईओ, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन)

हमने हवाई अड्डे से चार लेन वाला राजमार्ग पकड़ा और तीन घंटे में 220 किलोमीटर की दूरी तय कर ली। जाहिर है, सड़क बहुत अच्छी थी। उसके बाद हम दो लेन वाली सड़क पर आए और 80 किलोमीटर की दूरी तीन घंटे में तय की। इस बार सड़क इतनी खराब थी कि आगे की यात्रा के लिए वाहन बदलने की नौबत आ गई। अगले 10 किलोमीटर की यात्रा हमें ऊंचे चेचिस वाले वाहन से करनी पड़ी, क्योंकि सड़क पथरीली थी और पतली भी। उस कठिन डगर के बाद हमें आगे दो किलोमीटर की यात्रा के लिए बाइक पर सवार होना पड़ा और एक जगह पहुंचकर बाइक का आगे बढ़ना भी असंभव हो गया। तब हम यात्रा पूरी करने के लिए 15 मिनट पैदल चले।

हमने वह दोपहर गांव में बिताई, वहां के निवासियों से सुना कि वे अपने छोटे-छोटे खेतों की पैदावार बढ़ाने, अपने पहाड़ी क्षेत्र में बेहतर जल प्रबंधन करने और आम के बगीचे लगाने के लिए क्या कर रहे हैं। इन परिवारों में से कुछ की वार्षिक आय अधिकतम 40,000 रुपये से लेकर कई लोगों के लिए शून्य तक थी। गांव के उस टोले में कोई मोबाइल कनेक्टिविटी नहीं है। हल्का सिग्नल पाने के लिए कुछ किलोमीटर दूर एक पहाड़ी पर चढ़ना पड़ता है। सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए डिजिटल सत्यापन या लेन-देन की जरूरत होती है, पर यह या तो उपलब्ध नहीं है या फिर उन तक पहुंचना कठिन है।

गांव में सरकारी प्राथमिक विद्यालय ने आस-पास की बस्तियों को भी सेवा प्रदान कर रखी है। इसमें एक शिक्षक और 40 बच्चे हैं। शिक्षक ने 300 रुपये प्रति माह पर कमरा किराये पर ले रखा है और वहीं रहते हैं। पहले शिक्षक यहां आते ही स्थानांतरण की कोशिश में लग जाते थे, पर यह शिक्षक दो साल से टिके हैं। निकटतम निजी स्कूल इस गांव से लगभग 40 किलोमीटर दूर एक छोटे शहर में है। निकटतम निजी अस्पताल 60 किलोमीटर दूर एक अन्य शहर में है। देश की सबसे बुनियादी सुविधा मतलब सरकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गांव से लगभग 25 किलोमीटर दूर है, जहां पहुंचने में 3-4 घंटे लग जाते हैं। एक नर्स के साथ सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र का निकटतम पीएचसी सेंटर लगभग छह किलोमीटर दूर है। अगर गांव में किसी का पैर टूट जाए, तो उसे स्वास्थ्य सुविधा पाने के लिए 25 किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। यदि किसी बीमारी के लिए सप्ताह में दो बार जांच की जरूरत पड़ जाए, तो मुमकिन ही नहीं है। सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र हो या निजी अस्पताल, दोनों में महज 40 प्रतिशत तक ही स्टाफ हैं।

यह मानव बस्ती अकेली नहीं है। भारत में ऐसी हजारों बस्तियां हैं और ऐसे लाखों लोग इनमें रहते हैं, जो लगभग हर उस चीज से दूर हैं, जिन्हें विकास का प्रतीक माना जाता है। ऐसे वंचित गांवों से लोगों का बाहर जाना और बाहर से लोगों का यहां आना बहुत संघर्षपूर्ण है। सभी प्रकार की गरीबी में कुछ सामान्य विशेषताएं होती हैं। जैसे गरीबी में हम न्यायसंगत, निष्पक्ष और सुरक्षित नौकरियां और आजीविकाएं पैदा करने में असमर्थ रहते हैं। दूरदराज की ऐसी गरीबी को दूरियां घटाकर ही मिटाया जा सकता है।

दूसरे प्रकार की गरीबी आमतौर पर किसी हवाई अड्डे से एक या दो घंटे की दूरी के अंदर ही होती है। यहां जनसंख्या घनत्व अधिक होता है और प्रति व्यक्ति बहुत कम भूमि व अन्य प्राकृतिक संसाधन उपलब्ध हो पाते हैं। यहां की हर चीज पर सामाजिक रीति-रिवाजों और संरचनाओं की बुरी पकड़ होती है और यह इस गरीबी की सबसे बड़ी विशेषता है। सामाजिक और सार्वजनिक संस्थान भी गरीबी के इस जाल में मजबूती से फंसे हुए हैं और काफी हद तक निष्क्रिय हैं।

आज का राशिफल

मेष

आज दिन शुभ है और धीरे-धीरे भाग्य आपका साथ देगा। आपकी आर्थिक समस्याएं दूर होंगी और कारोबार से जुड़े कष्ट से मुक्ति मिलेगी और समस्याएं दूर होंगी। आपको परेशानियों से कुछ राहत मिलेगी। आज सकारणीय दूर की यात्रा भी हो सकती है। छोटे मोटे पार्ट टाइम कारोबार के लिए भी समय निकालना आसान रहेगा।

वृषभ

आज दिन सफलता से भरा होगा और योजनाएं सफल होंगी। आपके धन सम्मान में वृद्धि होगी और रुके कार्य पूर्ण होंगे। आपके घर में किसी किसी शुभ मंगल कार्य की चर्चा हो सकती है जीवन स्तर को सुधारने के लिए फिलहाल आपको स्थाई प्रयोग में आने वाली वस्तुओं की खरीद करनी चाहिए।

तुला

तुला

आज दिन शुभ नहीं है और आप बिना कारण ही चिंतित और परेशान रहेंगे। कुछ परेशानियां तो आपके स्वभाव के कारण बढ़ जाती हैं। आप अपने अदूरदर्शी स्वभाव के कारण स्वयं भी खड़ी कर लेते हैं। सामाजिक और व्यवसायिक क्षेत्र में विरोधियों की भीड़ आपके सामने आ सकती है।

वृश्चिक

आज लाभ होगा और आपको अकस्मात मंगलमय समाचार मिलेगा। कार्य-व्यवसाय के क्षेत्र में आए तनाव अपने ऊपर हावी न होने दें तो आपके लिए अच्छा होगा। नवीन योजनाओं में आपको सफलता प्राप्त होगी और आपके काम बिना किसी रुकावट के पूर्ण हो जाएंगे। पुराने झगड़े और झंझटों से छुटकारा मिलेगा।

मिथुन

आज दिन आनंद से भरा होगा। आपका समय तेजी से आगे बढ़ने का है। आपकी तरक्की को देखकर ऑफिस में सहयोगियों को आपसे जलन होगी। यहां तक कि आपकी अपनी नजर भी अपनी उपलब्धियों पर लग सकती है। प्रगति की इस गति को स्थायी रखने के लिए आपको दोगुना मेहनत करने की जरूरत है।

कर्क

आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपकी चिंताएं दूर होंगी। आपके करियर में तरक्की के योग हैं और आपकी योजनाएं सफल होंगी। आप हमेशा ही अपने परिवार की सलामती के लिए कटिबद्ध रहते हैं। आज भी वह चिन्ता आपको परेशान कर सकती है।

धनु

आज करियर के मामले में लाभ होगा। आपको किसी नए संपर्क से लाभ मिलेगा और पुरानी योजनाओं में आपको लाभ होगा। आपको रुका धन मिलने से आपका मन खुश रहेगा। रोजमर्रा के कामों में कोताही न बरतें। व्यवसायिक उन्नति से आत्म विश्वास में वृद्धि होगी। रात के समय मांगलिक अवसरों में जाने का अवसर मिलेगा।

मकर

आज आर्थिक लाभ होगा और आपको सम्मान की प्राप्ति होगी। ग्रह चाल भाग्य में वृद्धि होने से आपका दिन शुभ होगा। व्यवसाय में लाभ होगा। शुभ समाचार भी दिन भर प्राप्त होते रहेंगे। मित्रों में भी हास्य विनोद बढ़ेगा। व्यर्थ के झंझटों से बचे रहें। धार्मिक स्थानों की यात्रा की भूमिका आज बन सकती है। मामा पक्ष से सहयोग मिलेगा।

सिंह

आज दिन परेशानियों से भरा रहेगा और आपको अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। कारोबार की चिंता विशेष रूप से परेशान करेगी क्योंकि पिछले काफी दिनों से व्यवसाय नियमिति नहीं है। अस्थिरता आपका पीछा नहीं छोड़ रही है। बेहतर होगा कि इस वक्त आप किसी निवेश को लेकर जोखिम न लें।

कन्या

आज का दिन बिना वजह की दौड़भाग करने में बीतेगा और आपको शाम में सफलता मिलने से थकान का अनुभव नहीं होगा। फिलहाल तो आप अपने कार्य को उत्साहपूर्वक पूरा करें। कुछ समय बाद इससे भी बेहतरीन अनुबंध आपको मिल सकते हैं और आपके धन में वृद्धि होने से आपको खुशी होगी।

कुंभ

आज उच्चाधिकारियों की घनिष्ठता से लाभ होगा। लाभ के सुअवसर आपको दिन भर प्राप्त होंगे। आयात निर्यात के व्यवसाय आरंभ का निर्णय भी आज हो सकता है। आध्यात्म और धर्म में रुचि बढ़ेगी। यात्रा, मंगलोत्सव का संयोग बन रहा है, समय के सदुपयोग से आपका सितारा बुलंद होगा। आपके धन में वृद्धि होगी और कारोबार में सभी योजनाएं सफल होंगी।

मीन

आज करियर के मामले में लाभ और आपके लिए तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे। अध्ययन और आध्यात्म में आपकी रुचि बढ़ेगी और आपको प्रसन्नता होगी। आपके जीवन से विवादास्पद प्रकरण समाप्त होंगे। गुप्त शत्रु व ईर्ष्यालु साथियों से सावधान रहें। किसी से रुपया उधार न लें वरना आपको वापस नहीं मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

मणिपुर में फिर 6 महीने के लिए बढ़ाया गया अफस्पा, 19 पुलिस थाना क्षेत्रों में रहेगी छूट

इंफाल, एजेंसी। सरकार ने मणिपुर में सशस्त्र बल विशेष शक्तियां अधिनियम (अफस्पा) को अगले 6 महीने के लिए सोमवार को बढ़ा दिया। हालांकि, इंफाल घाटी के अंतर्गत आने वाले 19 थाना क्षेत्रों और असम की सीमा से लगे एक क्षेत्र को इससे बाहर रखा गया है। राज्य सरकार के गृह विभाग ने नोटिफिकेशन में बताया कि यह विस्तार 1 अक्टूबर से लागू होगा। इसमें कहा गया, 'राज्य में मौजूदा कानून और व्यवस्था की स्थिति का विश्लेषण करने के बाद राज्य सरकार की यह राय बनी है। फिलहाल जमीनी स्तर पर विस्तृत आकलन करना उचित नहीं है, क्योंकि सुरक्षा एजेंसियां कानून व व्यवस्था बनाए रखने में व्यस्त हैं। नोटिफिकेशन में बताया गया कि अशांत क्षेत्र घोषित करने का मुद्दा बेहद संवेदनशील है। अगर उचित निर्णय नहीं लिया गया तो यह आलोचना और प्रतिरोध का कारण बन सकता है। गृह आयुक्त एन. अशोक कुमार की ओर से हस्ताक्षरित अधिसूचना जारी हुई है। इसके मुताबिक, मणिपुर के राज्यपाल 19 थाना क्षेत्रों में आने वाले इलाकों को छोड़कर पूरे मणिपुर को 1 अक्टूबर से अगले छह महीने की अवधि के लिए अशांत क्षेत्र घोषित करने की मंजूरी देते हैं। जिन थाना क्षेत्रों में अफस्पा नहीं लगाया गया है उनमें इंफाल, लाम्फेल, सिटी, सिंगजामेई, सेकमाई, लामसांग, पटसोई, वांगोई, पोरोमपत, हेइंगंग, लामलाई, इरिबंग, लीमाखोंग, थौबल, बिष्णुपुर, नाम्बोल, मोइरंग, काकचिंग और जिरीबाम शामिल हैं। जिन क्षेत्रों को अफस्पा के दायरे से बाहर रखा गया है, वे बहुसंख्यक मैतेई समुदाय के हैं। अशांत क्षेत्र का दर्जा सबसे पहले 2004 में इंफाल नगर पालिका क्षेत्र और अप्रैल 2022 में 6 जिलों के 15 थानों से हटा दिया गया था। अफस्पा कानून अशांत क्षेत्रों में कार्यरत सशस्त्र बलों को जरूरी लगने पर तलाशी लेने, गिरफ्तारी करने और गोली चलाने का अधिकार देता है।

हरियाणा में क्रिमिनल केस वाले प्रत्याशियों को उतारने में सबसे आगे आम आदमी पार्टी , बीजेपी का रिकॉर्ड सबसे अच्छा

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे करीब आ रहा है, प्रचार भी तेज हो रहा है। वहीं सभी राजनीतिक दलों ने अपने प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया है। असोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा आम आदमी पार्टी (आप) के प्रत्याशियों पर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। वहीं रिपोर्ट क मुताबिक बीजेपी के कैप्टन अभिमन्यु और कांग्रेस के रोहतास सिंह सबसे अमीर प्रत्याशी हैं। ऐसे भी पांच प्रत्याशी हैं जिनके पास कोई संपत्ति नहीं है। आम आदमी पार्टी के 23 प्रत्याशियों ने बताया है कि उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। आप ने कुल 88 प्रत्याशी चुनाव में उतारे हैं। इनमें से 14 के खिलाफ गंभार धाराओं में मुकदमे हैं जिसमें रेप, मर्डर, बच्चों और महिलाओं के खिलाफ अपराध और भ्रष्टाचार शामिल है। 2019 के विधानसभा चुनाव में आप ने 46 प्रत्याशी उतारे थे जिनमें से 12 पर आपराधिक मुकदमे हैं। 2019 और 2024 में आम आदमी पार्टी के 26 फीसदी प्रत्याशियों का क्रिमिनल बैकग्राउंड है। इस चुनाव में कांग्रेस के 17 प्रत्याशियों (19 फीसदी) के खिलाफ आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। वहीं इंडियन नेशनल लोक दल के 9 उम्मीदवारों के खिलाफ आपराधिक मुकदमे हैं। जननायक जनता पार्टी के सात (11 फीसदी) और बीएसपी के तीन (9 फीसदी) उम्मीदवारों के खिलाफ आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। इस मामले में बीजेपी का रिकॉर्ड अच्छा कहा जा सकता है। बीजेपी केवल 6 (7 फीसदी) उम्मीदवारों पर ही क्रिमिनल केस हैं। इस चुनाव में कुल 1031 उम्मीदवार मैदान में हैं जिनमें से 133 (13 फीसदी) के खिलाफ आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

वांगचुक के साथ आतंकियों जैसा सलूक किया जा रहा है : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोनम वांगचुक को हिरासत में लिए जाने पर सुबह-सुबह 'लाल' हो गए। उन्होंने कहा कि कभी किसानों को दिल्ली आने से रोका जाता है और कभी लद्दाख के लोगों को। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा कि क्या दिल्ली किसी एक शख्स की बपौती है? मनीष सिसोदिया ने भी केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वांगचुक के साथ आतंकियों जैसा सलूक किया जा रहा है। इससे पहले लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी पीएम मोदी पर जोरदार हमला किया। लद्दाख को छठी अनुसूची का दर्जा देने की मांग को लेकर पैदल दिल्ली की सीमा तक आए जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को दिल्ली पुलिस ने सोमवार रात हिरासत में ले लिया। सिंघु बॉर्डर पर वांगचुक समेत करीब 120 लोगों को हिरासत में लिया गया। दिल्ली पुलिस सूत्रों के अनुसार हिरासत में लिए गए लोगों को अलीपुर और शहर की सीमा से लगे अन्य पुलिस थानों में ले जाया गया।

किंगमेकर या वोट कटवा? हरियाणा चुनाव में बागी बन सकते हैं पार्टियों का सिरदर्द

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा में 5 अक्टूबर को विधानसभा चुनाव होने को हैं। इससे पहले अब पार्टियां नतीजों को लेकर समीकरण बिठाने में जुट गई हैं। हरियाणा में कई मौकों पर अलग-अलग पार्टियों को सरकार बनाने में मदद कर किंगमेकर की भूमिका निभाने वाले निर्दलीय उम्मीदवार इस बार चुनाव से पहले ही सुर्खियों में हैं। ऐसे 462 उम्मीदवार राज्य भर की 90 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें से कई कांग्रेस और बीजेपी नेता हैं जिन्होंने टिकट न मिलने पर अपनी पार्टियों से बगावत कर दी थी। इन्हें वोट कटवा बताते हुए दोनों पार्टियां मतदाताओं से इन्हें वोट न देने की अपील कर रही हैं। बागी उम्मीदवारों से खतरे को स्वीकार करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को करनाल में एक रैली में वोटर्स से एकजुट रहने और बीजेपी के चुनाव चिह्न कमल पर ध्यान केंद्रित करने को बात की थी। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी बार-बार मतदाताओं से निर्दलीय उम्मीदवारों को वोट न देने की अपील कर रहे हैं। उन्होंने कहा था, ÷यह बीजेपी और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला है। वोट-कटवा को वोट देने का कोई फायदा नहीं है और लोगों को उनसे दूर रहना चाहिए।

दोनों पार्टियों की ये चिंताएं लाजमी भी हैं। कई क्षेत्रों में निर्दलीय उम्मीदवारों का राजनीतिक आधार मजबूत है। झज्जर के बहादुरगढ़ से कांग्रेस के बागी राजेश जून पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार राजिंदर सिंह जून और बीजेपी के दिनेश कौशिक को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। वहीं हिसार में भारत की सबसे अमीर महिला सावित्री जिंदल निर्दलीय के तौर पर मैदान में हैं। पूर्व मंत्री कांग्रेस और बीजेपी दोनों के उम्मीदवारों को परेशान कर सकती हैं। उचाना कलां में कांग्रेस के बागी वीरेंद्र घोघरियां कांग्रेस के बृजेंद्र सिंह, जेजेपी के दुष्यंत चौटाला बीजेपी के देवेंद्र अत्री के बीच महत्वपूर्ण मुकाबले में खेल बिगाड़ सकते हैं। पूर्व मंत्री रणजीत सिंह सिरसा के रानिया से निर्दलीय के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं।

'कांग्रेस-बीजेपी के चक्र से तंग आ गई है जनता': इसी तरह तोशाम, सफीदों और बाढड़ा से कई बागी उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। गुरुग्राम में बीजेपी के बागी नवीन गोयल पार्टियों के लिए सिरदर्द साबित हो रहे हैं। गोयल का दावा है कि कांग्रेस-बीजेपी के चक्र से तंग आकर मतदाता अब उन उम्मीदवारों का समर्थन कर रहे हैं जिन्होंने सच में उनके लिए काम किया है। निर्दलीय विधायक राकेश दौलताबाद के निधन के बाद उनकी पत्नी कुमुदनी बादशाहपुर से चुनाव लड़ रही हैं। पुन्हाना में कांग्रेस विधायक मोहम्मद इलियास को निर्दलीय रहीश खान कड़ी टक्कर दे रहे हैं। वहीं फरीदाबाद में पूर्व विधायक और कांग्रेस के बागी शारदा राठौर (बल्लभगढ़) और ललित नागर (तिगांव) कांग्रेस और बीजेपी प्रत्याशियों को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। करनाल में कांग्रेस के बागी राज कुमार वाल्मीकि नीलोखेड़ी में पार्टी उम्मीदवार धर्मपाल गोंदर के लिए बाधा बन रहे हैं जबकि बीजेपी के पूर्व विधायक जिले राम असंध में पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार योगिंदर राणा के लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। इसी तरह कैथल में बीजेपी के बागी दिनेश कौशिक और कांग्रेस के बागी सतवीर भाना पुंडरी से चुनाव लड़ रहे हैं। जबकि पंचायती उम्मीदवार प्रेम कुमार कलानौर में कांग्रेस के वोट शेयर में सेंध लगा सकते हैं। पानीपत शहरी में कांग्रेस की बागी रोहिता रेवड़ी बीजेपी के प्रमोद विज के साथ-साथ कांग्रेस के वरिंदर कुमार शाह को कड़ी टक्कर दे रही हैं। पानीपत ग्रामीण में कांग्रेस के बागी विजय जैन बीजेपी के महिपाल ढांडा और कांग्रेस के सचिन कुंडू के वोटों में सेंध लगा सकते हैं।

कर्नाटक हाई कोर्ट से निर्मला सीतारमण को बड़ी राहत, इलेक्टोरल बॉन्ड केस में एफआईआर पर रोक

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक हाई कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड के जरिए कथित जबरन वसूली से संबंधित एक मामले में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को सोमवार को बड़ी राहत दी है। हाई कोर्ट ने उनके और अन्य के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर अंतरिम रोक लगाने का आदेश दिया है और चुनावी बॉण्ड योजना से संबंधित कथित अनियमितताओं की जांच पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा है कि अगली सुनवाई तक यह रोक जारी रहेगी। चुनावी बॉण्ड योजना अब रद्द हो चुकी है। जस्टिस एम. नागप्रसन्ना ने भाजपा नेता नलिन कुमार कटील द्वारा दायर उस याचिका पर यह अंतरिम आदेश दिया, जिसमें उन्हें आरोपी के रूप में नामजद करने वाली प्राथमिकी को चुनौती दी गई थी। मामले की अगली सुनवाई 22 अक्टूबर को होगी। चुनावी बॉण्ड योजना से संबंधित शिकायत के बाद यहां की एक विशेष अदालत के निर्देश पर शनिवार को सीतारमण और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। पुलिस के मुताबिक, केंद्रीय मंत्री सीतारमण, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के पदाधिकारियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की प्रासंगिक धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के प्रमुख बी.वाई. विजयेंद्र, पार्टी नेता नलिन कुमार कटील के नाम भी प्राथमिकी में हैं। जनाधिकार संघर्ष परिषद (जेएसपी) के सह-अध्यक्ष आदर्श आर अय्यर ने शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने चुनावी बॉण्ड की आड़ में जबरन वसूली की और 8,000 करोड़ रुपये से अधिक का फायदा उठाया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि सीतारमण ने ईडी अधिकारियों की गुप्त सहायता और समर्थन के माध्यम से राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर दूसरों के फायदे के लिए हजारों करोड़ रुपये की जबरन वसूली की।

हरियाणा चुनाव के आखिरी दौर में भाजपा का प्लान 17, ऐसी सीटों पर लगा दिया पूरा जोर

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा विधानसभा चुनाव में प्रचार का आखिरी दौर चल रहा है। 5 अक्टूबर को मतदान है और उससे पहले भाजपा ने अब अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। भाजपा ने फिलहाल प्लान 17 तैयार किया है, जिसके जरिए वह पूरा गेम ही पलटने की उम्मीद में है। भाजपा ने यह प्लान अनुसूचित जाति के आरक्षण वाली 17 सीटों को लेकर तैयार किया है। उसे लगता है कि जिस तरह से कांग्रेस में कुमारी सैलजा की उपेक्षा हुई है, उसे मुद्दा बनाते हुए वह दलितों को लुभा सकती है। यदि वह 17 सीटों पर अच्छा प्रदर्शन कर सकी तो फिर 90 सीटों वाले हरियाणा में गेम पलटने की उम्मीद भाजपा कर रही है।

इन इलाकों में भाजपा बड़ी रैलियां करने की बजाय माइक्रो मैनेजमेंट कर रही है। भाजपा इन विधानसभा क्षेत्रों में यह बताने की कोशिश कर रही है कि कैसे कांग्रेस के राज में हरियाणा में दलितों के खिलाफ अत्याचार हुए। वहीं भाजपा के शासनकाल में कैसे हरियाणा से लेकर केंद्र सरकार तक ने दलित हितैषी कदम उठाए। यह बताया जा रहा है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि इससे कुछ अतिरिक्त वोट मिलने की उम्मीद है। कांग्रेस नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा फिलहाल जाट वोटरों के ध्रुवीकरण की वजह माने जा रहे हैं। ऐसे में भाजपा को उम्मीद है।

हमारे पास विकल्प नहीं, बंगाल में डॉक्टरों ने फिर बंद किया काम

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में जूनियर डॉक्टरों ने मंगलवार को फिर से काम बंद करने का ऐलान कर दिया। उन्होंने कहा कि मेडिकल कैंपस में सुरक्षा सुनिश्चित करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर ममता बनर्जी सरकार पर दबाव बनाने के लिए यह फैसला लिया गया। इससे पहले जूनियर डॉक्टर्स काम रोककर 42 दिनों तक विरोध प्रदर्शन करते रहे और 21 सितंबर को सरकारी अस्पतालों में ड्यूटी पर लौटे थे। दरअसल, 9 अगस्त को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में ऑन-ड्यूटी ट्रेनी डॉक्टर के बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई थी। इसके विरोध में पूरे देश में प्रदर्शन हुए और कोलकाता के जूनियर डॉक्टर्स ने सुरक्षा की मांग को लेकर काम रोक दिया।

आंदोलनकारी जूनियर डॉक्टरों में से एक अनिकेत महतो ने कहाकि सुरक्षा से जुड़ी हमारी मांगों को पूरा करने के लिए राज्य सरकार की ओर से कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई है। आज विरोध प्रदर्शन का 52वां दिन है। हमारे ऊपर अभी तक हमले हो रहे हैं। आंदोलन के दौरान किए गए अन्य वादों को पूरा करने का कोई प्रयास नहीं किया गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ बैठक के बाद, हमारे पास आज से पूर्ण काम बंद करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि जब तक राज्य सरकार इन मांगों पर स्पष्ट कार्रवाई नहीं करती, तब तक काम पूरी तरह बंद रहेगा।

इससे पहले पश्चिम बंगाल सरकार की तरफ से भी बयान जारी किया गया। राज्य के मुख्य सचिव मनोज पंत ने सोमवार को कहाकि सरकार अस्पतालों में

चिकित्सकों की सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए काम कर रही है और इसके परिणाम जल्द ही सामने आएंगे। कोलकाता के सरकारी आर.जी. कर अस्पताल में महिला प्रशिक्षु चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर पंत ने कहा कि आंदोलनकारी कनिष्ठ चिकित्सकों को अधीर नहीं होना चाहिए।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने चिकित्सा महाविद्यालयों में सीसीटीवी कैमरे लगाने और शौचालयों और अलग विश्राम कक्ष के निर्माण में पश्चिम बंगाल सरकार की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया। साथ ही राज्य को 15 अक्टूबर तक चल रहे कार्य को पूरा करने का निर्देश दिया। पंत ने कहा कि राज्य सरकार को उम्मीद है कि आंदोलनकारी जूनियर डॉक्टर्स अपनी जिम्मेदारियों से अवगत हैं और अपनी पूरी क्षमता से मरीजों की सेवा करेंगे। उन्होंने कहा कि हर जगह काम चल रहा है। कुछ जगहों पर 30 फीसदी काम पूरा हो चुका है और कुछ जगहों पर 70 फीसदी। सरकार सचेत और सक्रिय है। मुख्यमंत्री (ममता बनर्जी) खुद स्थिति पर नजर रख रही हैं।

छत्तीसगढ़ को बड़ी सौगात- चार नेशनल हाइवे के विकास के लिए मंजूर हुए 11 हजार करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को छत्तीसगढ़ में चार प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए 11 हजार करोड़ रुपये की मंजूरी दे दी है। मंत्री ने यह घोषणा आज यहां भारत मंडपम में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ समीक्षा बैठक के दौरान की। समीक्षा बैठक में सभी लंबित मुद्दों पर चर्चा कर अवरोधों को दूर करने का प्रयास किया गया।

इन राजमार्गों के लिए मंजूर हुए रुपए : बैठक में राष्ट्रीय राजमार्गों की प्रगति पर चर्चा की गयी। इसके साथ ही चार प्रमुख राजमार्गों के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट बनाने की मंजूरी दी गयी। बैठक में जिन चार मुख्य परियोजनाओं पर चर्चा हुई उनमें उरगा-कटघोरा बाईपास, बसना से सारंगढ़ (माणिकपुर) फीडर रूट, सारंगढ़ से रायगढ़ फीडर रूट और रायपुर-लखनादोन आर्थिक गलियारा शामिल हैं। इन परियोजनाओं की कुल लंबाई 236.1 किलोमीटर है। केन्द्रीय मंत्री ने इन परियोजनाओं के लिए कुल 9208 करोड़ रुपए स्वीकृत किये हैं। इसके अलावा केशकाल घाट और धमतरी-जगदलपुर मार्ग के चार लेन चौड़ीकरण कार्य

की भी मंजूरी दी गयी।

1200 करोड़ की अतिरिक्त राशि हुई मंजूर : एनएचएआई के अंतर्गत रायपुर-विशाखापट्टनम मार्ग एवं बिलासपुर-उरगा-पत्थलगांव मार्ग को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। वहीं पत्थलगांव से कुनकुरी-झारखंड बॉर्डर मार्ग को एक माह के अन्दर एजेंसी निर्धारित करने के लिए निर्देश दिये गये। वहीं रायपुर शहर टाटीबंध से तेलीबांधा के बीच ग्रेड सेपरेटर तथा विधानसभा रोड से बिलासपुर रोड (धनेली) को जोड़ने वाले मार्ग एवं रायपुर एक्सप्रेस-वे पर ग्रेड सेपरेटर बनाने की सहमति दी गयी। इसके अलावा सड़कों के विकास के लिए 1200 करोड़ की अतिरिक्त राशि की स्वीकृति मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह स्वयं इन परियोजनाओं की प्रगति पर नजर रखेंगे और हर सप्ताह इसकी रिपोर्ट तलब करेंगे, ताकि काम में कोई देरी न हो। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार पूरी निष्ठा से इन परियोजनाओं को समय सीमा के भीतर पूरा करेगी, जिससे राज्य के नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं मिल सकेंगी।

बिना शादी ही गुजारा भत्ता मांगने लगती थी ठग महिला को कोर्ट से लगा बड़ा झटका

औरंगाबाद, एजेंसी। बॉम्बे हाई कोर्ट की औरंगाबाद बेंच ने तलाक और मेंटिनेंस के नाम पर पुरुषों को ठगने वाली महिला की जमानत याचिका खारिज कर दी है। महिला पर आरोप है कि महिला पहले मेंटिनेंस पाने के लिए केस करती थी और बाद में शेटलमेंट होने के बाद केस वापस ले लेती थी। लताबाई जाधव और उसके दो वकीलों के खिलाफ सिलोद सिटी पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया था। सुनवाई में देरी की बात कहते हुए जाधव ने जमात याचिका फाइल की थी। सेशन कोर्ट और मजिस्ट्रेट कोर्ट ने भी उसकी याचिका को खारिज कर दिया था। जस्टिस एसजी मेहारे की बेंच ने कहा, सुनवाई में थोड़ी देरी हो गई है और इसलिए उम्मीद है कि ट्रायल कोर्ट अब तेजी से सुनवाई करेगा। दोनों कोर्ट में हुई अब तक की सुनवाई के मुताबिक मामला सच लगता है। याचिकाकर्ता महिला का पास्ट भी अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में कहा जा सकता है कि जमानत के बाद वह फरार हो सकती है। जस्टिस मेहारने कहा कि ऐसा लगता है कि ट्रायल कोर्ट पूरी कोशिश कर रहा है कि जल्द से जल्द सुनवाई पूरी की जाए। लेकिन कई बार यह अधिकृत अधिकारी के नियंत्रण में नहीं होता है। यह एक टीमवर्क है। संबंधित सभी पक्षों को कोर्ट का सपोर्ट करना चाहिए ताकि तय समय में केस निपटाया

जा सके। एक शख्स ने दावा किया कि वह कभी जाधव से मिला ही नहीं और पता चला है कि जाधव ने अपने दो वकीलों के साथ मिलकर तीन अन्य लोगों पर भी इसी तरह का केस किया है। वह फर्जी नाम के साथ इस तरह के केस करती है। उन्होंने हाई कोर्ट को बताया कि दो केसों में कोर्ट के बाहर शेटलमेंट हो गया और फिर केस वापस ले लिया गया। वहीं तीनों केसों में कहानी एक ही थी। शख्स की याचिका के बाद कोर्ट ने मामले की जांच करने का आदेश दिया था। रिपोर्ट मिलने के बाद पता चला कि दो वकील महिला के साथ मिलकर लोगों पर फर्जी केस करते थे और फिर कोर्ट के बाहर शेटलमेंट करके केस वापस ले लेते थे। 15 अक्टूबर 2023 को जाधव के खिलाफ चार्जशीट फाइल की गई थी।

हरियाणा चुनाव से पहले गुरमीत राम रहीम को फिर से मिलेगी 20 दिन की पैरोल, आयोग से मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। अपनी दो अनुयायियों के रेप के जुर्म में 20 साल की कैद काट रहे गुरमीत राम रहीम सिंह को फिर से पैरोल मिलने का रास्ता साफ हो गया है। चुनाव आयोग ने राज्य सरकार को इसकी मंजूरी देते हुए कहा है कि यदि गुरमीत राम रहीम आदर्श आचार संहिता के नियमों और शर्तों को पूरा करता हो तो उसे पैरोल दी जाए। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंकज अग्रवाल ने सोमवार को यह जानकारी दी। गुरमीत राम रहीम सिंह ने पांच अक्टूबर को होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले 20 दिन की पैरोल देने की अर्जी दी है। वह पहले ही 50 दिन की पैरोल पर जेल से बाहर है। अब उसने 20 अतिरिक्त दिनों की पैरोल की डिमांड की है। इस पर जेल विभाग ने आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण डेरा प्रमुख की पैरोल अर्जी को चुनाव विभाग को भेजा था।आयोग ने जेल विभाग से चुनावों के दौरान दोषियों को पैरोल पर रिहा करने को उचित ठहराते के अनुरोध को लेकर 'आकस्मिक और आवश्यक' कारणों को स्पष्ट करने को कहा था। डेरा प्रमुख चाहता है कि पैरोल मिलने की स्थिति में उसे उत्तर प्रदेश के बागपत में रहने की अनुमति दी जाए। अदालत ने सिंह को 2017 में अपनी दो शिष्याओं के साथ बलात्कार का दोषी करार देते हुए 20 साल कारावास की सजा सुनाई थी। डेरा प्रमुख और तीन अन्य को 16 साल से अधिक समय पहले एक पत्रकार की

हत्या के लिए भी 2019 में दोषी ठहराया गया था। गुरमीत राम रहीम की पैरोल की शर्तों में यह भी शामिल है कि वह चुनाव तक हरियाणा में नहीं रह सकेगा। इसके अलावा किसी सामाजिक और राजनीतिक गतिविधि में हिस्सा भी लेने की परमिशन नहीं होगी। यही नहीं वह सोशल मीडिया के माध्यम से भी लोगों को संबोधित नहीं कर सकेगा। यदि उसकी ओर से इन शर्तों का किसी भी तरह से उल्लंघन किया गया तो पैरोल को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया जाएगा। यह 11वां मौका है, जब गुरमीत राम रहीम को पैरोल दी जाएगी। उसे पैरोल मिलने पर सवाल उठते रहे हैं कि आखिर क्यों उसे बार-बार जेल से बाहर रहने की परमिशन दी जा रही है। राम रहीम को चुनावी सीजन में पैरोल मिलने के मायने निकाले जा रहे हैं। राम रहीम का सिरसा, हिसार, फतेहाबाद समेत हरियाणा के कई जिलों में अच्छा प्रभाव है। उसके अनुयायियों की संख्या लाखों में है। इसी के चलते राजनीतिक दल अकसर उसे साथ लेने की कोशिश करते हैं। हरियाणा में 5 अक्टूबर को मतदान होना और 8 तारीख को नतीजे आने हैं। पैरोल मिलने का असर उसके समर्थकों की राय पर भी दिख सकता है। उसे अब तक एक दर्जन से ज्यादा बार पैरोल मिल चुकी है। गुरमीत रोहतक जिले की सुनारिया जेल में बंद है. उसने 2 सितंबर को 21 दिन की फरलो काटकर जेल में सरेंडर किया था. राम रहीम के मामले में कहा जाने लगा है कि इसे सजा नहीं, पैरोल कहिए. एक तरफ रेप और कत्ल जैसा संगीन जुर्म किया है और दूसरी तरफ गुनहगार गुरमीत पर सरकारी आजादी रेवड़ी की तरह बरस रही है. पिछले दो साल में ही 253 की पैरोल या फरलो की मंजूरी मिल गई है. एक दिन पहले 20 दिन की पैरोल को जोड़ा जाए तो यह संख्या 273 दिन हो जाएगी. यानी इस पैरोल के बाद गुरमीत का 9 महीने 12 दिन जेल से बाहर बिताने का वक्त हो जाएगा।

इंडिया- बांग्लादेश टेस्टः

टीम इंडिया ने लगाया जीत का 'छक्का', बांग्लादेश के 'बैजबॉल' अंदाज में किया क्लीन स्वीप

कानपुर, एजेंसी। भारतीय टीम ने बांग्लादेश को कानपुर टेस्ट में सात विकेट से मात देकर सीरीज में क्लीन स्वीप किया। भारतीय टीम ने चेन्नई टेस्ट में 280 रन से जीत हासिल की थी। भारत की यह लगातार छठी टेस्ट जीत है। वहीं यह लगातार चौथा मौका है जब भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ क्लीन स्वीप किया है।

भारत को मिला था 95 रन का लक्ष्य

कानपुर टेस्ट में बारिश का खलल देखने को मिला जिसके कारण पूरे पांच दिन का खेल नहीं हो सका। इसके बावजूद भारत ने लगभग दो दिन के खेल में मैच अपने नाम किया। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से भारत के लिए यह जीत काफी अहम थी। बांग्लादेश ने पहली पारी में 233 रन बनाए। इसके बाद टीम इंडिया ने 285/5 के स्कोर पर पारी घोषित की। बांग्लादेश की टीम दूसरी पारी में केवल 146 रन ही बना सकी जिसके कारण भारत को 95 का लक्ष्य मिला था।

यशस्वी जायसवाल ने जमाया अर्धशतक

भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। रोहित शर्मा केवल 8 रन बनाकर मेहदी हसन की गेंद पर हसन महमूद को कैच दे बैठे। इसके बाद शुभमन गिल भी मेहदी हसन की गेंद पर एलबीडब्ल्य हुए। यहां से विराट कोहली और दूसरे छोर से यशस्वी जायसवाल ने पारी को संभाला। जायसवाल ने इस दौरान अपना अर्धशतक पूरा किया। वह जब आउट हुए तब टीम जीत से केवल तीन रन दूर थी।

भारत में निकला बांग्लादेश का दम

इसके बाद विराट कोहली और पंत ने टीम को जीत तक पहुंचाया। पंत के बल्ले से ही विजयी चौका निकला। भारत ने 17.2 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। पाकिस्तान को उसी के घर पर 2-0 से हराने वाली बांग्लादेशी टीम को भारतीय जमीन 0-2 से मात मिली। इस जीत के साथ भारतीय टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के टॉप पर बनी हुई है।

जीत के बड़े रिकॉर्ड

भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ लगातार चौथी बार क्लीन स्वीप किया है। साल 2017 में भारत ने 1-0 से जीत हासिल की थी। इसके बाद 2019 में भी 2-0 से टेस्ट सीरीज जीती। भारत ने 2022 में बांग्लादेश का दौरा किया और 2-0 से जीत हासिल की। अब बांग्लादेश को भारत के खिलाफ एक बार फिर हार का सामना करना पड़ा। भारत को टेस्ट फॉर्मेट में पिछ्ली हार 25 जनवरी 2024 को मिली थी। इंग्लैंड ने हैदराबाद में भारत को 28 रन से हराया था। इसके बाद से भारत ने छह टेस्ट मैच खेले और सभी में जीत हासिल की। इसमें चार टेस्ट इंग्लैंड के दो टेस्ट बांग्लादेश के खिलाफ थे।

मैं यह मैच जीतना चाहता था, बांग्लादेश के खिलाफ जीत में महत्वपूर्ण योगदान देकर बोले जायसवाल

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरा टेस्ट जीतने के बाद भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल ने कहा कि मैं यह मैच जीतना चाहता था। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर में खेले गए दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में 7 विकेट से जीत दर्ज करते हुए सीरीज 2-0 से अपने नाम की। यशस्वी जायसवाल ने दोनों पारियों में अर्धशतक लगाए और टीम की जीत में महत्वपूर्व योगदान दिया। उन्होंने पहली पारी में 72 जबकि दूसरी इनिंग में 51 रन बनाए जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। मैच के बाद जायसवाल ने कहा, मुझे लगता है कि मैं बस यही सोच रहा था कि मैं अपनी टीम के लिए क्या कर सकता हूं। चेन्नई में परिस्थितियां अलग थीं और यहां भी अलग। हर पारी महत्वपूर्ण है। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करता हूं और उसी तरीके से तैयारी करता हूं। मुझे कहा गया कि मैं जिस तरह से खेलना चाहता हूं, खेलूं। मैं यह मैच जीतना चाहता था।

बूम-बूम बुमराह का कमाल

दिलचस्प बात ये रही कि बुमराह ने एंडरसन से 300 ओवर कम फेंकने के बावजूद ये मुकाम हासिल किया है। बुमराह ने 28 टेस्ट मैचों की 53 पारियों में 836.2 ओवर फेंककर 118 विकेट अपनी झोली में डाले हैं जबकि 116 विकेट लेने के लिए एंडरसन को 1141.5 ओवर फेंकने पड़े। बुमराह अब डब्ल्यूटीसी इतिहास में सातवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं और फिलहाल न्यूजीलैंड के टिम साउथी के साथ बराबरी पर हैं, जिन्होंने 1196.2 ओवर गेंदबाजी करके बुमराह के बराबर विकेट लिए हैं। बुमराह के पास दूसरी पारी में कगिसो रबाडा को पीछे छोड़ने का शानदार मौका होगा। रबाडा के नाम डब्ल्यूटीसी में 123 विकेट दर्ज हैं।

सार समाचार

चाईना ओपनः

अल्कारेज ने खाचानोव को हराया, लगातार दूसरे साल सेमीफाइनल में पहुंचे

बीजिंग, एजेंसी। अल्कारेज की यह सत्र की 46वीं जीत है जिसकी बदौलत यह फ्रेंच ओपन और विंबलडन चैंपियन एटीपी 'लाइव रैंकिंग' में एलेक्जेंडर ज्वेरेव को पछाड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज ने सोमवार को यहां कारेन खाचानोव के खिलाफ सीधे सेट में जीत के साथ लगातार दूसरे साल चीन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। स्पेन के 21 साल के अल्कारेज ने दुनिया के 27वें नंबर के खिलाड़ी खाचानोव को 7-5, 6-2 से हराया। अल्कारेज ने 12 में से चार ब्रेक प्वाइंट का फायदा उठाया और 96 मिनट में जीत दर्ज की।

शूटिंगः

पार्थ राकेश माने ने लीमा जूनियर वर्ल्ड्स में दोहरा स्वर्ण पदक जीता

लीमा, एजेंसी। पार्थ राकेश माने ने 10 मीटर एयर राइफल में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक और टीम इवेंट में स्वर्ण पदक जीतकर जूनियर विश्व चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। यह मुकाबला इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में हुआ। पार्थ ने 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत खिताब जीतने के बाद, अजय मलिक और अभिनव शॉ के साथ मिलकर पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में भी स्वर्ण पदक जीता। भारत को तीसरा स्वर्ण भी मिला जब गौतमी भानोट, शंभवी क्षीरसागर और अनुष्का ठाकुर ने जूनियर महिला टीम इवेंट में 10 मीटर एयर राइफल में जीत हासिल की। लेकिन दिन की सबसे बड़ी उपलब्धि 16 साल के पार्थ माने की रही। उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 24-शॉट के फाइनल में 250.7 अंक हासिल किए और चीन के मौजूदा जूनियर एशियाई चैंपियन हुआंग लिवानलिन को 0.7 अंकों से पछाड़ दिया।

सचिन तेंदुलकर फिर उतरेंगे मैदान में

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग में लगाएंगे चौके-छक्के, भारत के 3 शहरों में होगा मल्टीनेशन टूर्नामेंट

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर एक बार फिर मैदान पर अपनी कला दिखाते नजर आएंगे। वह इंटरनेशनल मास्टर्स लीग में भारत के लिए खेलते दिखेंगे। आईएमएल का पहला सीजन इसी साल भारत के 3 शहरों मुंबई, रायपुर और लखनऊ में होगा। जिसकी तारीखें तय होना बाकी हैं।

गावस्कर बने लीग कमिश्नर मुंबई और इंडियन क्रिकेट के 2 सितारे सचिन तेंदुलकर और सुनील गावस्कर के इनिशिएटिव से आईएमएल शुरू होगी। गावस्कर को लीग का कमिश्नर बनाया गया है, वहीं तेंदुलकर लीग में खेलते नजर आएंगे। लीग में भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, वेस्टइंडीज, इंग्लैंड और श्रीलंका की टीमें भी हिस्सा लेंगी। 6 देशों का टूर्नामेंट अब से हर साल होगा। पीएमजी स्पोर्ट्स ने इस लीग को कराने की जिम्मेदारी उठाई है।

सुनील गावस्कर को आईएमएल का कमिश्नर बनाया गया है। सचिन बोले, टी-20 ने क्रिकेट को नए फैन्स दिए सचिन तेंदुलकर ने लीग को लेकर कहा, क्रिकेट भारत ही नहीं, दुनियाभर में तेजी से विकसित हो रहा है। लेकिन पिछले दशक में टी-20 ने तेजी से अपनी पहचान बनाई और नए फैन्स को इस खेल से जोड़ने पर मजबूर कर दिया। नए और पुराने फैन्स दिग्गजों को एक बार फिर क्रिकेट के मैदान पर देखने के लिए उत्साहित हैं। एक खिलाड़ी अपने मन में कभी रिटायर नहीं होता, उनके अंदर हमेशा एक खिलाड़ी खेलने के लिए तैयार रहता है। इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के जरिए हम क्रिकेट फैन्स और दिग्गजों को फिर एक बार साथ लाना चाह रहे हैं। मुझे पूरा यकीन है कि टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले सभी खिलाड़ी भरपूर तैयारी करेंगे और दर्शकों को मनोरंजन का नया जरिया दिखाएंगे।

सचिन तेंदुलकर ने 2013 में आखिरी इंटरनेशनल मैच खेला था। गावस्कर ने कहा, आईएमएल पुरानी यादों को ताजा करेगा सुनील गावस्कर ने लीग को लेकर कहा, टी-20 क्रिकेट के विकास ने खेल को नया मैजिक दिया है। इसकी मदद से फैन्स अपने लीजेंड प्लेयर्स को फिर एक बार खेलते हुए देखेंगे। यह सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं है, बल्कि पुरानी यादें ताजा करने का बेहतरीन जरिया है।

टेनिसः

शीर्ष वरीय विष्णु, वैदेही 29वीं फेनेस्टा ओपन राष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप में जीत से शुरुआत

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला एकल में 2022 की राष्ट्रीय चैंपियन वैदेही ने शैली ठक्कर के खिलाफ सीधे सेट में 6-2, 6-4 से जीत दर्ज की जबकि कर्नाटक की सोहा सादिक ने दिल्ली की कशिश भाटिया को आसानी से 6-0, 6-1 से हराया।

शीर्ष वरीय विष्णु वर्धन और वैदेही चौधरी ने सोमवार को डीएलटीए परिसर में 29वीं फेनेस्टा ओपन राष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप के पहले दिन जीत दर्ज की। एशियाई खेलों में कई पदक जीत चुके पूर्व डेविस कप खिलाड़ी विष्णु ने पुरुष एकल के पहले दौर में हरियाणा के उदित कंबोज को 7-5, 6-1 से हराया।

महिला एकल में 2022 की राष्ट्रीय चैंपियन वैदेही ने शैली ठक्कर के खिलाफ सीधे सेट में 6-2, 6-4 से जीत दर्ज की जबकि कर्नाटक की सोहा सादिक ने दिल्ली की कशिश भाटिया को आसानी से 6-0, 6-1 से हराया। तमिलनाडु के अभिनव संजीव ने उलटफेर करते हुए तीसरे वरीय इशाक इकबाल को 6-1, 7-6 से हराया जबकि छठे वरीय रणजीत वीएम ने ओगेस प्रकाश को 6-0, 6-2 से शिकस्त दी।

सेना के खिलाड़ी कर रहे हैं ओलंपिक की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत 2036 के ओलंपिक की मेजबानी करने की ओर अग्रसर है, ऐसे में भारतीय सेना ने सेना खेल कॉन्क्लेव का आयोजन किया। इस कॉन्क्लेव में भारतीय ओलंपिक संघ, भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) और राष्ट्रीय खेल महासंघों के साथ सहयोगपूर्ण रणनीति तैयार करने पर जोर दिया गया।

थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस संयुक्त प्रयास ने बहुमूल्य जानकारी प्रदान की। इससे ओलंपिक की तैयारी के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार करने का मार्ग प्रशस्त हुआ। इन सामूहिक चर्चाओं ने वैश्विक मंच पर भारत की सफलता सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई योग्य कदमों की नींव रखी है। एशियाई खेलों और ओलंपिक में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा योगदान विशिष्ट परंपरा मौजूद है।

खेल व खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने की दिशा में 2001 में भारतीय सेना के मिशन ओलंपिक प्रकोष्ठ की स्थापना की गई थी।

ऋतुराज गायकवाड़ की होगी टीम इंडिया में एंट्री, गौतम गंभीर और रोहित शर्मा ने लिया फैसला !

नईदिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज और टी20 सीरीज में सेलेक्शन नहीं होने के बाद अब खबरें हैं कि ऋतुराज गायकवाड़ को टीम इंडिया में मौका मिल सकता है. बड़ी खबर ये है कि इस खिलाड़ी को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम में सेलेक्ट किया जा सकता है.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गायकवाड़ तीसरे ओपनर के तौर पर ऑस्ट्रेलिया जाएंगे. गायकवाड़ फिलहाल ईरानी ट्रॉफी खेल रहे हैं. वो रेस्ट ऑफ इंडिया के कप्तान हैं. रिपोर्ट के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया में गायकवाड़ को ओपनिंग की भूमिका दी जा सकती है. प्लेइंग इलेवन के रेगुलर ओपनर यशस्वी जायसवाल और रोहित शर्मा ही रहेंगे लेकिन जरूरत पड़ने पर गायकवाड़ को भी ये जिम्मेदारी मिल सकती है. अगर किसी खिलाड़ी को चोट लगती है या उसकी फॉर्म खराब होती है तो गायकवाड़ को मौका मिल सकता है. टीम इंडिया को दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाना है जहां पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी.

गंभीर-रोहित का फैसला?

अगर ऋतुराज गायकवाड़ को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चुने जाने की खबरें सामने आ रही हैं तो जाहिर तौर पर इसके पीछे हेड कोच गौतम गंभीर और कप्तान रोहित शर्मा का दिमाग होगा. रोहित शर्मा और गौतम गंभीर जानते हैं कि ऑस्ट्रेलिया में आपको तकनीकी तौर पर सॉलिड बल्लेबाज चाहिए और गायकवाड़ इसमें बेस्ट हैं. वो शॉर्ट बॉल के खिलाफ भी अच्छा खेल दिखाते हैं. यही नहीं उनकी हालिया फॉर्म भी अच्छी है.

न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज में मिलेगा मौका?

सवाल ये है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया को न्यूजीलैंड के खिलाफ भी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है. क्या ऋतुराज गायकवाड़ को इसमें मौका दिया जाएगा? वैसे ये भी मुमकिन है कि गायकवाड़ को इंडिया-ए के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भेजा जाए. इंडिया ए की टीम इसी महीने ऑस्ट्रेलिया जाएगी. 31 अक्टूबर को इंडिया ए और ऑस्ट्रेलिया के बीच अनाधिकारिक टेस्ट खेला जाएगा. वहीं 7 नवंबर को दूसरा अनाधिकारिक टेस्ट मैच खेला जाएगा. मुमकिन है कि ऋतुराज गायकवाड़ को ही इंडिया ए की कप्तानी दी जाए.

13 साल के वैभव सूर्यवंशी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 58 गेंदों पर ठोका शतक

नईदिल्ली, एजेंसी। कानपुर टेस्ट में बांग्लादेश पर भारत के सीनियर खिलाड़ियों का हल्ला बोल देखने को मिला है तो उधर चेन्नई में खेले जा रहे अंडर 19 टीम के 4 दिनी मैच में भारत के 13 साल के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का कहर ऑस्ट्रेलिया पर टूटा है. बिहार से आने वाले वैभव सूर्यवंशी ने अंडर 19 टेस्ट की अपनी पहली पारी में शतक जड़कर अपनी काबिलियत का लोहा मनवा दिया है. वैभव ने 58 गेंदों पर ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अपनी सेंचुरी पूरी की और इसी के साथ कई रिकॉर्ड्स की बलि चढ़ा दी.

14 चौके, 4 छक्के, 64 गेंदों पर 104 रनः वैभव सूर्यवंशी ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ 4 दिनी मैच में भारतीय पारी का आगाज किया और कुल 64 गेंदों का सामना कर 104 रन बनाए. उनकी विस्फोटक पारी में 14 चौके और 4 छक्के शामिल रहे. वैभव सूर्यवंशी रनआउट होकर पवेलियन लौटे. 64 गेंदों की पारी के दौरान उन्होंने अपना शतक 58 गेंद पर पूरा किया.

बाल-बाल बचा वर्ल्ड रिकॉर्ड

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ 58 गेंदों पर शतक जड़ने के साथ ही वैभव अंडर 19 टेस्ट में सबसे तेज शतक जमाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए है. वहीं वर्ल्ड रिकॉर्ड में इस

मामले में वो दूसरे नंबर पर हैं. अंडर 19 टेस्ट में वैभव से तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज इंग्लैंड के मोईन अली हैं. मोईन ने 2005 में 56 गेंदों पर ये कारनामा किया था.

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत का पलटवार

वैभव सूर्यवंशी के शतक की बदौलत भारत की अंडर 19 टीम को ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 के खिलाफ पहली पारी में धमाकेदार शुरुआत मिली, जिसका उसे मैच में फायदा मिलता दिख सकता है. मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बैटिंग की थी और अपनी पहली पारी में 293 रन बनाए थे.

वैभव का क्रिकेट सफर

वैभव सूर्यवंशी रणजी ट्रॉफी, हेमंत ट्रॉफी, कूच बिहार ट्रॉफी और वीनू मांकड़ ट्रॉफी में खेल चुके हैं. उन्हें लेकर ये दावा किया जा रहा है कि उन्होंने एक साल में अलग-अलग टूर्नामेंट्स को मिलाकर कुल 49 शतक लगाए हैं. 5 साल की उम्र से क्रिकेट शुरू करने वाले वैभव ने 12 साल 284 दिन की उम्र में अपना पहला फर्स्ट क्लास मैच खेला. मुंबई के खिलाफ उन्होंने फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था, जिसमें पहली पारी में 19 रन और दूसरी पारी में 12 रन ही वो बना सके थे.

सेवानिवृत्त कर्मचारियों के पेंशन प्रकरण 21 अक्टूबर तक प्रस्तुत करें

अधिकारी क्षेत्र के दौरे में स्कूल और आंगनवाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण करें : कमिश्नर

रीवा। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने विभागीय कार्यों की समीक्षा की। कमिश्नर ने बैठक में कहा कि सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों के लंबित पेंशन प्रकरण 21 अक्टूबर तक अनिवार्य रूप से पेंशन कार्यालय में प्रस्तुत कर दें। विभागीय जाँच के कारण लंबित पेंशन प्रकरणों का भी एक माह में निराकरण कराएं। पेंशन प्रकरण लंबित रहने पर आहरण संवितरण अधिकारी के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। सभी अधिकारी क्षेत्र में भ्रमण के दौरान स्कूल और आंगनवाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण अवश्य करें। निरीक्षण के दौरान शिक्षकों और विद्यार्थियों की उपस्थिति, मध्यान्ह भोजन के वितरण तथा पठन-पाठन की जानकारी लें। इनमें सुधार के संबंध में उपयोगी सुझाव भी दें।

कमिश्नर ने कहा कि वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त सड़कों का संबंधित विभाग तत्काल सुधार

कार्य शुरू करें। सीधी-सिंगरौली हाईवे के निर्माण तथा रीवा-शहडोल मार्ग के कार्य को भी तत्काल शुरू कराएं। शासन की विभिन्न योजनाओं से स्वीकृत निर्माण कार्यों को तय समय सीमा में पूरा करें। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सड़कों के सुधार का कार्य एक अक्टूबर से 15 दिसम्बर तक किया जा रहा है। सुधार कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। मुख्य अभियंता पीआईयू सीएम राइज स्कूलों के भवन निर्माण का कार्य तेजी से पूरा कराएं। निर्माण कार्य के लिए वन विभाग की अनुमति अथवा जमीन उपलब्ध न होने के प्रकरण दो दिवस में प्रस्तुत करें।

कमिश्नर ने कहा कि आदिमजाति कल्याण विभाग तथा अन्य विभागों द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्ति के पात्र विद्यार्थियों के आवेदन समय पर ऑनलाइन दर्ज करा दें जिससे विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ मिल सके। पिछड़ावर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग में छात्रवृत्ति भुगतान के तीन हजार से अधिक प्रकरण लंबित हैं। इनका निराकरण कराएं। सीधी जिले में भी 2700 से अधिक आवेदन लंबित हैं। संयुक्त संचालक पशुपालन गौवंश को सड़कों से हटाने के लिए अन्य विभागों के सहयोग से प्रभावी प्रयास करें। इस संबंध में सिंगरौली जिले में अच्छा कार्य हुआ है। सभी पूर्ण गौशालाओं में भी गौवंश को रखने की व्यवस्था करें।

कमिश्नर ने कहा कि अक्टूबर माह में संभाग के सभी जिलों में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाए जाएंगे। सभी अधिकारी और कर्मचारी इनमें रक्तदान अवश्य करें। नियमित रूप से रक्तदान करने पर रक्त की गुणवत्ता में सुधार होता है तथा कई गंभीर रोगों का खतरा समाप्त हो जाता है। साथ ही रक्तदान करके हम किसी को नया जीवन देने का पुण्य भी प्राप्त करते हैं। शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने कहा कि प्राथमिक शिक्षक सप्ताह में एक दिन स्कूल के निकटवर्ती आंगनवाड़ी केन्द्र में जाकर पाँच से छ: साल के बच्चों से संपर्क करें जिससे अगले वर्ष उनका सुगमता से स्कूल में एडमीशन हो सके। पेयजल व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने कहा कि संभाग के रीवा जिले में सबसे कम वर्षा हुई है। सतना में भी गत वर्ष तथा इस वर्ष औसत से कम वर्षा हुई है। जिन क्षेत्रों में पेयजल कठिनाई की आशंका हो वहाँ के लिए अभी से कार्ययोजना बना लें।

कमिश्नर ने कृषि आदान की समीक्षा करते हुए कहा कि कृषि विभाग का मैदानी अमला किसानों को डीएपी के स्थान पर सुपर फास्फेट एवं एनपीके खाद के उपयोग के लिए प्रेरित करे। कलेक्टर हर सप्ताह कृषि आदान की समीक्षा करके रिपोर्ट प्रस्तुत करें। यूरिया खाद की रैक लगातार प्राप्त हो रही हैं। इनका समुचित भण्डारण और वितरण कराएं। जिन केन्द्रों में बड़ी संख्या में किसान खाद लेने आते हैं वहाँ अभी से अतिरिक्त काउंटर की व्यवस्था करा दें जिससे किसान को खाद लेने में परेशानी न हो। सभी जिलों के खनिज अधिकारी खनिज पदार्थों के अवैध उत्खनन तथा परिवहन के विरूद्ध अभियान चलाएं।

गांधी जयंती पर छात्रावासों में होंगे आयोजन

रीवा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती के अवसर पर जिले के छात्रावासों तथा आश्रम शालाओं में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने छात्रावासों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों तथा व्यवस्थाओं के निरीक्षण के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं। इस संबंध में जारी आदेश के अनुसार छात्रावासों में महात्मा गांधी जी से जुड़ी घटनाओं तथा देश के प्रति उनके योगदान और व्यक्तित्व से विद्यार्थियों को अवगत कराया जाएगा। इसके लिए छात्रावासों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों नाटक, गीत, नृत्य तथा भाषण प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया जाएगा। महात्मा गांधी जी की जयंती पर छात्रावासों तथा आश्रम शालाओं के विद्यार्थियों को सुरूचिपूर्ण भोजन भी कराया जाएगा। जारी आदेश के अनुसार जिला तथा विकासखण्ड स्तर पर संचालित छात्रावासों के निरीक्षण के लिए नियुक्त किए गए अधिकारी छात्रावासों तथा आश्रम शालाओं का भ्रमण करेंगे। भ्रमण के दौरान नोडल अधिकारी छात्रावासों में साफ-सफाई, स्वास्थ्य, सुरक्षा सहित अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण करेंगे।

स्वच्छता सिर्फ व्यक्तिगत स्वास्थ्य विषय नहीं, सशक्त और समृद्ध समाज की नींव है : उप मुख्यमंत्री

गांधी जयंती की दी शुभकामनाएँ

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने समस्त प्रदेशवासियों को गांधी जयंती की शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी का स्वच्छता के प्रति दृष्टिकोण आज भी प्रासंगिक है। देशव्यापी स्वच्छता अभियान ने उनके इस विचार को नई ऊर्जा प्रदान की है। स्वच्छता सिर्फ व्यक्तिगत स्वास्थ्य का विषय नहीं है, बल्कि यह एक सशक्त और समृद्ध समाज की नींव है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि गांधीजी का मानना था कि स्वच्छता हर नागरिक की जिम्मेदारी है और इसका पालन करना समाज के उत्थान की दिशा में पहला कदम है। आज हमें गांधीजी के सपनों को साकार करने के लिए स्वच्छता को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा। स्वच्छता अभियान अब एक जन आंदोलन का रूप ले चुका है, जिसमें हर नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। उप मुख्यमंत्री ने जनता से अपील की कि वे अपने घर, मोहल्ले और सार्वजनिक स्थलों की सफाई का विशेष ध्यान रखें और इस आंदोलन को और भी सशक्त बनाएं। जब हर नागरिक स्वच्छता को अपनी जिम्मेदारी समझेगा, तभी गांधीजी के स्वच्छ और आत्मनिर्भर भारत का सपना पूरा हो सकेगा।

महात्मा गांधी ने स्वतंत्रता आंदोलन को सत्य, अहिंसा और सादगी जैसे आदर्शों पर आधारित किया। उनके त्याग, दृढ़ता और नैतिक नेतृत्व ने पूरे विश्व को प्रेरित किया। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने जनता से अपील की कि वे गांधीजी के सत्य, अहिंसा, कर्तव्यनिष्ठा और सेवा भाव को अपने जीवन में अपनाएं, जिससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन आ सके।

कलेक्टर की अध्यक्षता में विभिन्न बैठकों का आयोजन

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में 3 अक्टूबर को विभिन्न बैठकों का आयोजन किया गया है। कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में प्रात: 11 बजे से आलू उत्पादन की समीक्षा बैठक होगी। जबकि प्रात: 11.30 बजे से कलेक्टर द्वारा राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की जाएगी।

ग्राम सभाओं का चरणबद्ध ढंग से आयोजन दो अक्टूबर से

रीवा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा दो अक्टूबर से ग्राम सभाओं के चरणबद्ध तरीके से आयोजन के संबंध में निर्देश दिए गए हैं। ग्राम सभाएं निर्धारित एजेण्डा बिन्दुओं के साथ स्थानीय विषयों को शामिल करते हुए आयोजित की जाएंगी। ग्राम सभाओं के आयोजन में निर्धारित एजेण्डा बिन्दुओं के साथ विभिन्न विभागों की भी सहभागिता होगी। जारी निर्देश के अनुसार ग्राम सभाओं में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के साथ-साथ खनिज संसाधन विभाग, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, श्रम, जनजातीय कार्य तथा ऊर्जा विभाग की सहभागिता होगी। आयोजित होने वाली ग्राम सभाओं में इन विभागों द्वारा अपने-अपने विभागों के जन कल्याणकारी कार्यक्रमों, योजनाओं पर चर्चा के साथ ही स्थानीय कार्यों के संबंध में जानकारी दी जाएगी।

खाद एवं बीज की पर्याप्त उपलब्धता तथा समुचित वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं : कलेक्टर

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में कृषि आदान की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। कलेक्ट्रेट में आयोजित समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में पर्याप्त मात्रा में खाद एवं बीज की उपलब्धता सुनिश्चित कराते हुए इनके वितरण की व्यवस्था भी सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा कि डबल लॉक में वितरण काउंटर बढ़ाने के लिए पूर्व से ही अनुमति प्राप्त कर लें ताकि सुगम वितरण की व्यवस्था हो सके। कलेक्टर ने बैठक में कहा

कि किसानों को एनपीके एवं सुपर फास्फेट उर्वरक के उपयोग के लिए अधिक से अधिक प्रेरित करें क्योंकि पौधों द्वारा आवश्यक एनपीके की मात्रा की पूर्ति उर्वरक विकल्पों के द्वारा की जा सकती है। पौधों की वृद्धि के लिए आवश्यक नाइट्रोजन, फास्फोरस एवं पोटाश मुख्य पोषक तत्व हैं जो एनपीके उर्वरक में उपलब्ध रहते हैं। अत: किसान डीएपी के स्थान पर एनपीके का उपयोग करें। समितियों में एनपीके के फायदे के संबंध में फ्लैक्स लगाकर किसानों को उसके उपयोग के लिए प्रेरित करें। इसी प्रकार के फ्लैक्स तहसील कार्यालयों में भी लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि देश के सभी विकसित व उन्नतशील प्रदेशों के किसान एनपीके का उपयोग कर रहे हैं जो फसलों की वृद्धि के लिए काफी उपयोगी है। बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में पर्याप्त मात्रा में खाद का भण्डारण उपलब्ध है। अभी तक यूरिया 10865.26 मीट्रिक टन, डीएपी 3612.85 मीट्रिक टन, एनपीके 5591.28 तथा एसएसपी 3312.70 मीट्रिक टन की उपलब्धता है। बैठक में कलेक्टर ने धान उपार्जन की स्लॉट बुकिंग नियमित होने तथा उपार्जन के संबंध में तैयारियों की जानकारी भी ली। उन्होंने शत-प्रतिशत गिरदावरी के निर्देश दिए ताकि किसानों के सत्यापन में दिक्कत न हो। कलेक्टर ने बैठक में निर्देश दिए कि अक्टूबर माह में 10 तारीख तक खाद्यान्न का शत-प्रतिशत उठाव कर लिया जाए। उसमें देरी क्षम्य नहीं होगी।

नजूल प्लाट के संबंध में आपत्ति 15 दिन में दर्ज कराई जा सकती है

रीवा। शहर के अमहिया मोहल्ले में स्थित नजूल प्लाट नं. 3563/1 रकवा 5651 वर्गफीट के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो वह आगामी 15 दिवस में अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। नजूल तहसीलदार से प्राप्त जानकारी के अनुसार आवेदक पुलिस अधीक्षक द्वारा सूचित किया गया है कि उक्त जमीन के संबंध में कलेक्टर न्यायालय में प्रकरण विधाराधीन है। उक्त संबंध में आमजन विज्ञप्ति प्रकाशित होने से 15 दिन में आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। समयावधि के उपरांत आपत्तियाँ ग्राह्य नही की जायेंगी।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर वरिष्ठजनों का हुआ सम्मान

रीवा। वृद्धजनों के लिए देखभाल तथा सहायता प्रणालियों को मजबूत करने के महत्व पर जोर देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस एक अक्टूबर को मनाया जाता है। इस वर्ष अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की थीम सम्मान के साथ वृद्धावस्था विषय पर स्थानीय वृद्धाश्रम स्वागत भवन में वरिष्ठ वृद्धजनों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ प्रभाकर चतुर्वेदी ने कहा कि रेडक्रॉस रीवा द्वारा संचालित वृद्धाश्रम में निवासरत सभी वरिष्ठजनों को सम्मान एवं पारिवारिक वातावरण देने के साथ ही उत्कृष्ट सुविधाएं दिलाने का कार्य किया जा रहा है। यहाँ उपचार व्यवस्था के साथ ही मनोरंजन की भी व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम की प्रस्तावना संयुक्त संचालक

अनिल दुबे द्वारा रखी गई। उन्होंने बताया कि शासन स्तर पर यह दिवस विशिष्ट महत्व के साथ आयोजित किया जाता है। आज दुनिया भर में 34वां अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस मनाया जा रहा है। यह दिन 21वीं सदी में वृद्धजनों की बढ़ती जनसंख्या के अवसरों और चुनौतियों को दूर करने तथा सभी उम्र के लोगों के लिए समाज के विकास को बढ़ावा देने के लिए नीति निर्माताओं का ध्यान आकर्षित करने के लिए मनाया जाता है। कार्यक्रम को संबोधित करते संभागीय समन्वयक जन अभियान परिषद प्रवीण पाठक ने समाज मे वरिष्ठजनों की महत्ता व उनकी प्राथमिकताओ पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम को प्रजापिता ब्राम्हाकुमारी विश्वविद्यालय रीवा की निर्मला बहन, रेडक्रास सोसायटी डॉ ए. के.खान व प्रदीप सिंह ने भी सम्बोधित किया।

कार्यक्रम में वरिष्ठजनों का शॉल, श्रीफल व पुष्प गुच्छ से सम्मानित कर उन्हें उपहार भेंट किए गए। कार्यक्रम में सुदिशा फाउंडेशन, अन्नशेष फाउंडेशन के प्रतिनिधियों द्वारा उपहार व आवश्यक सामग्री भेंट की गई। कार्यक्रम में 80 से अधिक वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन अवनीश शर्मा व सिद्धार्थ श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यक्रम सामाजिक न्याय विभाग, रेडक्रॉस सोसायटी, जन अभियान परिषद व आनंद विभाग के संयुक्त संयोजन आयोजित किया गया। इस दौरान आनंदम सहयोगी, ब्लाक संपर्क प्रमुख डॉ गोविंद नारायण श्रीवास्तव, से.नि. मुख्य अभियंता एस.बी.सिंह, विकासखंड समन्वयक अमित अवस्थी, निशा जायसवाल, अंजली श्रीवास्तव सहित जन अभियान परिषद व रेडक्रॉस के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मद्य निषेध सप्ताह में आज से होंगे विभिन्न कार्यक्रम

रीवा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती 2 अक्टूबर को मद्य निषेध सप्ताह का शुभारंभ होगा। जिले भर में 2 से 8 अक्टूबर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि 2 अक्टूबर को जिला स्तर, विकासखण्ड स्तर तथा ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में सामूहिक रूप से नशामुक्ति की शपथ ली जाएगी एवं रैलियों का आयोजन होगा। प्रत्येक ग्राम पंचायत में विशेष ग्रामसभा का आयोजन करके मुख्यमंत्री जी के नशामुक्ति संदेश का वाचन किया जाएगा। सभी नगरीय निकायों में भी प्रत्येक वार्ड में नशामुक्ति की शपथ दिलाई जाएगी। नशामुक्ति की शपथ लेने वाले सभी व्यक्ति एनएमबीए मोबाइल एप पर अपनी प्रविष्टि दर्ज करेंगे। सभी शिक्षण संस्थानों में 3 अक्टूबर को निबंध लेखन एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता तथा 4 अक्टूबर को चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इसी तरह 5 अक्टूबर को जिले के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशामुक्ति के संदेश दिए जाएंगे। विद्यार्थियों को नशे की राह से बचाने के लिए 6 अक्टूबर को सभी हाईस्कूल तथा हायर सेकण्डरी एवं कालेज के विद्यार्थियों को अपनों के नाम पाती दी जाएगी।

नशामुक्त का संदेश देने के लिए 7 अक्टूबर को जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर विद्यार्थियों और सामाजिक संगठन के सहयोग से मानव श्रंखला बनाई जाएगी। सप्ताह का समापन 8 अक्टूबर को होगा। समापन दिवस पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से मद्य तथा अन्य नशीले पदार्थों के सेवन के दुष्परिणामों की जानकारी देकर लोगों को जागरूक किया जाएगा। इसी दिन विभिन्न प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार एवं सहभागिता प्रमाण प्रत्र प्रदान किए जाएंगे।

धान एवं मोटे अनाजों के उपार्जन के लिए पंजीयन 4 अक्टूबर तक

रीवा। किसानों को उनकी उपज का अधिकतम मूल्य देने के लिए शासन द्वारा किसानों से निर्धारित समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार तथा बाजरा का उपार्जन किया जाएगा। उपार्जन के लिए किसानों का ऑनलाइन पंजीयन होना आवश्यक है। ऑनलाइन पंजीयन 4 अक्टूबर तक किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि किसान ग्राम पंचायत कार्यालय के सुविधा केन्द्र, जनपद पंचायत, तहसील कार्यालय, सहकारी समितियों एवं खरीदी केन्द्रों में निःशुल्क पंजीयन करा सकते हैं। एमपी किसान एप अपने एन्ड्रायड मोबाइल पर डाउनलोड करके किसान स्वयं पंजीयन कर सकते हैं। इसके अलावा किसान एमपी ऑनलाइन कियोस्क सेंटर, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केन्द्र एवं निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे में 50 रुपए का शुल्क तथा आवश्यक दस्तावेज देकर 4 अक्टूबर तक उपार्जन के लिए पंजीयन करा सकते हैं।

कलेक्टर ने बताया कि धान तथा मोटे अनाजों के उपार्जन के लिए पंजीयन कराने के लिए किसानों को अपने आधार कार्ड, बोये गए अनाज के रकबे की जानकारी के लिए ऋण पुस्तिका की प्रति, आधार सीडेड बैंक खाते तथा बैंक खाते से जुड़े मोबाइल नम्बर की जानकारी देना आवश्यक होगा।

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक संपन्न

रीवा। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनकर, एसडीएम हुजूर वैशाली जैन तथा तहसीलदार हुजूर शिवशंकर शुक्ला उपस्थित रहे। बैठक में कहा गया कि सबके सहयोग और समन्वय से त्यौहारों के लिए समुचित व्यवस्था की जाएगी। चल समारोह और त्यौहारों में नगर निगम साफ-सफाई, प्रकाश तथा पेयजल की व्यवस्था करेगा। चल समारोह और उत्सव की व्यवस्थाओं में आमजनता भी प्रशासन को सहयोग करे। शासन के निर्देशों और सुरक्षा को ध्यान में रखकर त्यौहार मनाएं। शहर में स्थापित होने वाली दुर्गा प्रतिमाओं की ऊंचाई निर्धारित रहे तथा पंडाल में बजाए जाने वाले संगीत/भजन

की ध्वनि मानक अनुसार ही रहे। बैठक में अपेक्षा की गई कि दुर्गा पंडाल में स्वयं सेवक भीड़ को नियंत्रित करने व यातायात के अवरोध को दूर करने में सहयोग करेंगे। प्रशासन एवं पुलिस द्वारा ट्रैफिक व्यवस्था को कंट्रोल करने सहित साफ-सफाई, सुरक्षा, प्रकाश आदि की समुचित व्यवस्था की जाएगी। सदस्यों द्वारा सड़क मार्गों को दुरूस्त करने तथा विसर्जन कुण्ड की संख्या बढ़ाए जाने के सुझाव पर अधिकारियों ने कहा कि सड़क मार्गों को दुरूस्त करा लिया जाएगा तथा परीक्षण उपरांत कुण्ड की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। चल समारोह के मार्ग में पुलिस द्वारा सुरक्षा और यातायात के समुचित प्रबंध किए जाएंगे। नगर निगम द्वारा चलित टैंकर के माध्यम से छोटी प्रतिमाओं को विसर्जन की सुविधा दी जाएगी। बड़ी प्रतिमाओं का विसर्जन करहिया घाट में किया जाएगा। विद्युत मण्डल ढीले तारों को ऊँचा कराएं। पूजा पण्डालों में अस्थायी बिजली कनेक्शन देने के साथ उनमें सुरक्षा की पूरी जाँच भी कराएं।

बैठक में एडिशनल एसपी अनिल सोनकर ने कहा कि हर वर्ष की तरह सबके सहयोग से चल समारोह और पण्डालों में व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। एनसीसी ग्राउण्ड में पुलिस द्वारा समुचित सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में शांति समिति के सदस्य तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सोयाबीन उपार्जन के लिए पंजीयन 20 अक्टूबर तक

रीवा। शासन द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य पर किसानों से सोयाबीन का उपार्जन किया जाएगा। इसके लिए सोयाबीन उत्पादक किसान 20 अक्टूबर तक उपार्जन के लिए ऑनलाइन पंजीयन करा सकते हैं। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि जिले में सोयाबीन उपार्जन के लिए दो खरीदी केन्द्र निर्धारित किए गए हैं। हुजूर तहसील में सेवा सहकारी समिति खैरा करहिया मण्डी में तथा तहसील मनगवां में सेवा सहकारी समिति लौरीगढ़ द्वारा गढ़ मण्डी में सोयाबीन का उपार्जन किया जाएगा। सभी सरपंच सोयाबीन उत्पादक किसानों को मुनादी कराकर उपार्जन के संबंध में जानकारी दें। निर्धारित पंजीयन केन्द्रों में सोयाबीन उत्पादक किसानों के पंजीयन संबंधी बैनर, पोस्टर प्रदर्शित करें।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में लोगों की सुनी समस्यायें

जनसुनवाई में 87 प्रकरणों की हुई सुनवाई

रीवा। कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने आमजन की समस्यायें सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई के दौरान 87 आवेदकों ने अपनी समस्यायें बताई जिन्हें संबंधित अधिकारियों को समाधानकारक कार्यवाही किये जाने हेतु प्रेषित किया गया।

जनसुनवाई के दौरान तमरा गोविंदगढ़ निवासी रामराज कोल ने सौभाग्य योजनान्तर्गत विद्युत कनेक्शन न प्रदाय किये जाने की शिकायत कलेक्टर से की। कलेक्टर ने विद्युत विभाग के अधीक्षण यंत्री को तत्काल मौके पर जाकर वस्तुस्थिति का परीक्षण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। उन्होंने रहट हुजून निवासी अरूणेन्द्र पाठक के किसान सम्मान निधि प्रदाय करने, कंचनपुर पनवार के मुन्नालाल के सीमांकन कराने के आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया। जवा कल्याणपुर के निवासियों ने श्मशान से अतिक्रमण हटाने का आवेदन दिया जिसे कलेक्टर ने जवा तहसीलदार को कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

इसी प्रकार जनसुनवाई में रवि चौरसिया खजुहा ने साइकिल प्रदान करने, रिमारी सिरमौर की उर्मिला साकेत ने लाड़ली बहना योजना की अवरूद्ध राशि दिलाने, रामनिवास मिश्रा गुलरिहा ने नहर का मुआवजा दिलाने तथा जरहा के निवासियों ने ग्राम पंचायत में सचिव नियुक्त करने का आवेदन दिया जिन्हें संबंधित अधिकारियों को कार्यवाही किये जाने हेतु प्रेषित किया गया। पिपरवार मनगवां के सौखीलाल सेन के नक्शा में वटांकन करने के आवेदन को तहसीलदार मनगवां को कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। जनसुनवाई के दौरान हरिमणि चतुर्वेदी भनिगवां ने प्रताड़ना के विरूद्ध शिकायत की तथा रामलाल श्रीवास्तव सगरा ने पेंशन कटौती की राशि बैंक से वापस दिलाने का आवेदन दिया जिसे संबंधित अधिकारियों को कार्यवाही करने के लिये प्रेषित कर आवश्यक कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गये। कलेक्ट्रेट के सभागार में संयुक्त कलेक्टर पी.के. पाण्डेय ने भी जनसुनवाई की।

एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वच्छता ही सेवा 2024

17 सितम्बर – 2 अक्टूबर 2024

स्वच्छ भारत निर्माण के संकल्प में अग्रणी योगदान देता मध्यप्रदेश

स्वच्छता दिवस समारोह

स्वच्छ भारत मिशन एवं 'अमृत' योजना अंतर्गत

₹685 करोड़ की परियोजनाओं का

भूमिपूजन एवं लोकार्पण

आदर्श गौशाला, ग्वालियर के 100 टन क्षमता के बायो CNG प्लांट का उद्घाटन

प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी

द्वारा (वर्चुअल माध्यम से)

गरिमामयी उपस्थिति

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

2 अक्टूबर, 2024 । प्रात: 10 बजे

कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर, भोपाल

अमृत 2.0 योजना - स्वच्छता एवं शहरी विकास को गति

इंदौर को लगातार सात बार देश के सबसे स्वच्छ शहर का सम्मान, भोपाल बना देश की स्वच्छतम् राजधानी

- सभी नगरीय निकायों में होगी जल प्रदाय सुविधा विकसित। 28 लाख घर होंगे लाभान्वित
- एक लाख से अधिक आबादी वाले 33 शहरों को मिलेगी स्वच्छ जल आपूर्ति
- 2355 वृहद स्वच्छता सेवा अभियान, 2 लाख से अधिक सफाई मित्रों की स्वास्थ्य जांच
- जल संरचनाओं का उन्नयन एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में होगा हरित क्षेत्रों का विकास
- सभी 33 शहरों में 12 लाख से अधिक घर सीवर कनेक्शन से जुड़ेंगे
- 400 से अधिक गांवों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट का प्रबंधन कर अभियान की सफलता में अहम योगदान

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

D-11074/24

मध्यप्रदेश शासन

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी, आर.एन.आई नं. 47589/88, डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833